दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-83 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 06 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

बापू की बातें

यदि यह मेरी धृष्टता न समझी जाए तो मेरा दावा है कि जैसे आज मैं देश के लिए जी रहा हूँ उसी प्रकार मुझमें देश के लिए मरने की भी क्षमता है।... फाँसी पर चढ़कर मरने में मुझे जरा भी भय नहीं लगता। मेरा विश्वास है कि यदि मैं निर्दोष हूँ तो मैं होंठों पर मुस्कराहट लिए फाँसी पर चढ़कर मर सकता हूँ। यदि मेरे हाथ और मेरा हृदय हिम के समान निष्कलंक और निर्दोष हैं तो मृत्यु मेरे लिए किसी प्रकार भी भयप्रद नहीं।

(03.05.1925: फरीदपुर में आयोजित बंगाल प्रांतीय परिषद् में दिए गए भाषण का अंश : सं.गां.वां. खंड 27 : पृष्ठ 31)

ममता बनर्जी बोलीं- हम चुनाव हारे नहीं, हराया गया; इस्तीफा नहीं दूंगी

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वे चुनाव हारे नहीं हैं, बल्कि हराया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से भी इनकार कर दिया। उन्होंने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा, हमारी लड़ाई भाजपा से नहीं, विलेन चुनाव आयोग है। भाजपा ने चुनाव आयोग की मदद से 100 सीटें लूटी हैं। भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर गेम खेल रही थी।

ममता ने कहा, चुनाव से 2 दिन पहले ही हमारे लोगों को गिरफ्तार किया गया। जगह-जगह छापे मारे गए, अधिकारियों का तबादला किया गया। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री भी इसमें सीधे तौर पर शामिल हैं। एसआईआर में 90 लाख नाम हटा दिए गए थे। उन्होंने बहुत गंदे और चालाक तरीके अपनाए। वे अपनी ही पार्टी के ब्यूरोक्रेट्स को ले आए। चुनाव आयोग का रवैया पूरी तरह से

पक्षपातपूर्ण था। प्रजातंत्र की हत्या की गई है।

ममता ने कहा, मुझे बूथ से धक्का मारकर निकाला। मैं एक महिला थी, लेकिन मेरे के साथ कैसे व्यवहार किया। अगर मेरे साथ ऐसा व्यवहार किया, तो अन्य लोगों के साथ कैसा करेगा। 200 सीआरपीएफ और बाहर के गुंडों ने मारपीट की। जब मैं वहां पहुंचीं तो मेरी गाड़ी रोकी गई। उन्होंने हमारे एजेंट्स को मतगणना कक्ष में नहीं जाने दिया। मैं कुछ देर बाहर खड़ी रही। उन्होंने मेरे पेट और पीठ पर लात मारी। मुझे धक्का देकर निकाला।

मैंने इस तरह का चुनाव कभी नहीं देखा। मैंने 2004 में भी इस तरह का जुल्म नहीं देखा था। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे, हेमंत सोरेन से लेकर इंडिया गठबंधन के लोगों ने मुझसे बात की है। अखिलेश यादव कल आ रहे हैं। इंडिया के नेता हमारे साथ हैं। यह लोकतंत्र की पूरी तरह से हत्या है। इसी तरह से वे महाराष्ट्र और हरियाणा चुनाव जीते, लेकिन हम लोगों ने चीते की तरह लड़ाई लड़ी है।ममता ने कहा, केंद्र सरकार केवल एक पार्टी की सरकार चाहती है। पूरी दुनिया में गलत मैसेज जा रहा है कि प्रजातांत्रिक तरीके से लड़ाई नहीं हो रही है। हम लोग बाउंस बैक करेंगे। बंगाल में हम लोगों ने लड़ाई लड़ी है। हमारी लड़ाई भाजपा के साथ नहीं, चुनाव आयोग से थी। जब आयोग ही बिक जाए और अधिकारी एकतरफा काम करे, तो क्या परिणाम होगा? अब मैं आजाद चिड़िया हूं। अपने तरीके से काम करूंगी।

पश्चिम बंगाल में 9 मई को रबींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर होगा भाजपा के मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने वाली भाजपा ने अपने मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की तैयारी तेज कर दी है। बंगाल में भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने बताया कि नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह 9 मई को होगा। इस दिन रबींद्रनाथ टैगोर की जयंती है। बंगाल समेत पूरे देश में टैगोर का विशेष महत्व है और भाजपा ने इस दिन को चुनकर एक नया संदेश दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को बंगाल के प्रमुख नेताओं में शामिल सुवेंदु अधिकारी, सामिक भट्टाचार्य, भूपेंद्र यादव, सुनील बंसल, बिप्लब देब और अमित मालवीय सहित अन्य भाजपा नेता मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर सकते हैं। उनकी पार्टी नेतृत्व से भी मुलाकात होगी। इस दौरान बंगाल में सरकार गठन, नेतृत्व संबंधी निर्णय और राज्य के लिए भविष्य की व्यापक रणनीति पर चर्चा होने की संभावना है। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने 206 सीटों पर जीत हासिल की है। भबानीपुर से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने 15,000 से अधिक वोट से हरा दिया।

तूफान और बिजली गिरने से बिहार में तबाही 24 घंटों में 20 से ज्यादा लोगों की मौत

पटना, (आरएनएस)। पिछले 24 घंटों के दौरान बिहार में खराब मौसम ने भारी तबाही मचाई है, जिसके चलते तूफान, भारी बारिश और बिजली गिरने से 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में पूर्वी चंपारण, गया और औरंगाबाद शामिल हैं। इसके जवाब में, मुख्यमंत्री सचिवालय ने मृतकों के परिवारों के लिए 4 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। मौसम में यह अचानक बदलाव, एक दिन की भीषण गर्मी और उमस के बाद आया।सोमवार देर दोपहर तक, कई जिलों में गहरे बादल छा गए, और शाम तक, बारिश और बिजली कड़कने के साथ तेज तूफान ने राज्य के बड़े हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया।कई जिलों से जान-माल के नुकसान की खबरें आई हैं। पटना जिले के बाढ़ में पेड़ गिरने और दीवारें ढहने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पूर्वी चंपारण में पांच लोगों की मौत की खबर है।गया में, पूरे जिले में तीन लोगों की मौत दर्ज की गई, जबकि औरंगाबाद में बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हुई।वैशाली (1), सीतामढ़ी (2), और भोजपुर (1) से भी जान-माल के नुकसान की अतिरिक्त खबरें मिली हैं।

देशभर में अंधड़-बारिश से तबाही, राजस्थान के तापमान में 8 डिग्री की गिरावट

नई दिल्ली(आरएनएस)। देश के कई हिस्सों में अंधड़-बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात ने तबाही मचा रखी है। इससे उत्तर प्रदेश में 24 और बिहार में 20 लोगों की मौत हो गई, वहीं हजारों पेड़ उखड़ गए, फसलों और बिजली व्यवस्था को तगड़ा नुकसान हुआ। मौसम में बदलाव राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से पर चक्रवात और उत्तर प्रदेश से तमिलनाडु तक बादलों का लंबा ट्रफ बनने से आया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को 14 राज्यों में बारिश-अंधड़ की चेतावनी जारी की है।

पश्चिम बंगाल में घरों में बर्तन धोकर 2,500 रुपये महीना कमाने वाली कलिता माझी बनीं विधायक

कोलकाता, (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। अब विजेता चेहरों की कहानियां सामने आ रही हैं। ऐसी ही एक कहानी ऑसग्राम सीट से भाजपा के टिकट पर विधायक बनी कलिता माझी की हैं। वे लोगों के घरों में बर्तन धोकर और साफ-सफाई का काम कर अपनी जीविका चलाती थीं। महीने के 2,500 रुपये कमाने वाली कलिता अब राज्य की विधानसभा में नजर आएंगी।

कलिता ने ऑसग्राम सीट से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार श्यामा प्रसन्ना लाहौर को 12,535 वोटों के अंतर से हराया। कलिता को कुल 1,07,692 वोट मिले। कलिता ने चुनाव प्रचार के लिए भी अनोखी रणनीति अपनाई। वे घर-घर जाकर लोगों से मिलतीं और खुद ही अपना काम बतातीं। उनकी जीत पर भाजपा सांसद पीसी मोहन कहा, यही भाजपा की ताकत है, जहां एक आम नागरिक भी आगे बढ़ सकता है और सचमुच प्रेरणादायक कहानी लिख सकता है।कलिता के चुनावी हलफनामे के मुताबिक, उनकी शादी सुब्रत माझी से हुई है, जो मजदूरी करते हैं। उनके पास कुल 1.61 लाख रुपये की संपत्ति है, जिसमें बैंक में जमा राशि, नकदी और एलआईसी की पॉलिसी शामिल हैं। वहीं, उनके पति के पास अचल संपत्ति के तौर पर 871 वर्ग फीट जमीन है, जो उनके पिता ने उन्हें तोहफे में दी थी। इस प्लॉट की कीमत लगभग 3 लाख रुपये है।विधायक बनने से पहले कलिता 4 घरों में घरेलू सहायिका का काम करती थीं। चुनाव प्रचार के दौरान भी उन्होंने काम नहीं छोड़ा था। जीत के बाद उन्होंने कहा, यह बहुत खुशी की जीत है।

बरगी क्रूज हादसा: 4 सदस्यीय कमेटी एसीएस होम की अध्यक्षता में करेगी जांच

-15 दिन में देगी रिपोर्ट

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश सरकार ने बरगी डैम में हुए क्रूज हादसे की जांच के लिए चार सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति गठित की है। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के अनुसार समिति पूरे मामले की विस्तृत जांच करेगी। समिति की अध्यक्षता अपर मुख्य सचिव (गृह) करेंगे, जबकि महानिदेशक होमगार्ड एवं पर्यटन विभाग के सचिव और जबलपुर संभाग के आयुक्त इसके सदस्य होंगे। समिति को 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। क्रूज के डूबने का कारण प्राथमिक जानकारी के अनुसार हादसा तेज हवा और आंधी के कारण होना माना जा रहा है, जिससे क्रूज असंतुलित हो गया और यात्री एक तरफ इकट्ठा हो गए, जिसके चलते क्रूज पलट गया और डूब गया। हालांकि सही कारण जांच के बाद ही सामने आएगा।

समिति हादसे के कारणों की गहराई से जांच करेगी और यह पता लगाएगी कि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई। साथ ही क्रूज संचालन के दौरान सुरक्षा नियमों और नागरिक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन हुआ या नहीं, इसकी भी जांच होगी। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी ।

नूंह में भीषण सड़क हादसा

एक्सप्रेसवे पर बिछ गई लाशें, जालौन के पांच पुलिसकर्मियों की मौत

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। हरियाणा के केएमपी एक्सप्रेसवे पर धुलावट टोल प्लाजा के पास मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश पुलिस के पांच जवानों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में जालौन जिले में तैनात एक चौकी इंचार्ज भी शामिल हैं। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए।तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 10 बजे पलवल की ओर से आ रही एक स्कॉर्पियो कार ने ओवरटेक करने का प्रयास किया।

गेहूँ उपार्जन में कोई भी लापरवाही नहीं की जायेगी बर्दाश्त : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में किया उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण

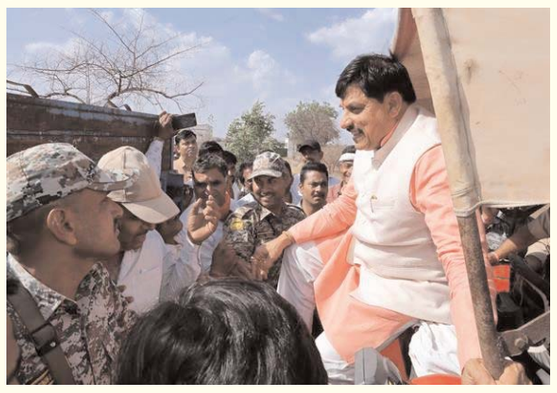

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को उज्जैन में गेहूँ उपार्जन केन्द्र का औचक निरीक्षण कर स्पष्ट किया कि गेहूँ उपार्जन में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा उपार्जन के लिये की गई व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने आज उज्जैन में सेवा सहकारी संस्था दताना और सुरजनवासा के ग्राम मानपुरा स्थित उपार्जन केंद्र एग्रो स्टील साइलो पर गेहूं खरीदी की व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपार्जन केन्द्र पर मौजूद किसानों से संवाद कर व्यवस्थाओं के संबंध में पड़ताल भी की। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में आवश्यकतानुसार गेहूं खरीदी की अंतिम तिथि में वृद्धि भी की जा सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार गेहूं, चना, मसूर की लगातार खरीदी कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है और उपार्जन प्रक्रिया पारदर्शिता और सुगमता से संचालित करवाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

टीएमसी की हार पर जश्न मनाने वालों को राहुल गांधी की हिदायत

कांग्रेस नेताओं से बोले— छोटी राजनीति छोड़ें, लोकतंत्र के बड़े खतरे को समझें

नई दिल्ली,(ए.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस के भीतर उभरे मतभेदों पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपनी ही पार्टी के नेताओं को कड़ी नसीहत दे दी है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (तृणमूल कांग्रेस) की हार पर खुशी जताने वाले नेताओं की आलोचना करते हुए इसे छोटी राजनीति करार दिया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किए गए पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा, कि कुछ कांग्रेसी और अन्य विपक्षी दल टीएमसी की हार पर जश्न मना रहे हैं, जबकि उन्हें व्यापक राजनीतिक परिदृश्य को समझने की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र को कमजोर करने की दिशा में काम कर रही है और असम व बंगाल के जनादेश की चोरी इसी का हिस्सा है। उन्होंने स्पष्ट कहा, यह किसी एक पार्टी का नहीं, बल्कि पूरे देश का मामला है। छोटी राजनीति को दरकिनार कर हमें लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए।यह बयान ऐसे समय में आया है, जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी पश्चिम बंगाल में सत्ता से बाहर होने जा रही है। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा में घोषित 293 सीटों के नतीजों के अनुसार, भाजपा ने 206 सीटों पर जीत दर्ज कर दो-तिहाई बहुमत से अधिक सीटें हासिल कर ली हैं, जबकि टीएमसी 81 सीटों तक सिमट गई। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस को राज्य में केवल 2 सीटें मिलीं, जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) को 1 सीट पर संतोष करना पड़ा।

जिले में सड़क सुरक्षा को नई दिशा देने के लिए प्रारंभ हुआ नवाचार

- जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कलेक्टर ने किया जिला स्तरीय 'प्रोजेक्ट सुरक्षा' अभियान का शुभारंभ
- कृषि उपज मंडी इटारसी में जनप्रतिनिधियों सहित कलेक्टर ने ट्रैक्टर ट्रॉली पर लगाए रेडियम टेप

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं जनसुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मंगलवार को कृषि उपज मंडी इटारसी परिसर से जिला स्तरीय 'प्रोजेक्ट सुरक्षा' अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत नर्मदापुरम अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, नगर पालिका इटारसी अध्यक्ष पंकज चौरे, मध्य प्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा एवं कलेक्टर सोमेश मिश्रा उपस्थित रहे। अभियान के शुभारंभ से पूर्व कलेक्टर श्सोमेश मिश्रा ने मंडी के सभा कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों - कर्मचारियों एवं पत्रकार बंधुओं को संबोधित करते हुए अभियान के उद्देश्य, आवश्यकता एवं संभावित लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'प्रोजेक्ट सुरक्षा' का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं एवं उनसे होने वाली मृत्यु दर में कमी लाना है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत ट्रैक्टर एवं ट्रॉलियों पर रिफ्लेक्टर (रेडियम) पट्टियां लगाई जाएंगी, जिससे रात्रि के समय उनकी दृश्यता बढ़े और पीछे से होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके। इसके साथ ही जिले में बड़े स्तर पर सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि आपात स्थिति में लोगों को त्वरित प्राथमिक सहायता मिल सके।उन्होंने हेलमेट के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दुर्घटनाओं के समय हेलमेट जीवन रक्षक सिद्ध होता है और इसके उपयोग से मृत्यु की संभावना को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से अभियान के तहत "हेलमेट से सुरक्षा" के संदेश के साथ आमजन को जागरूक किया जाएगा। साथ ही चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट के उपयोग के प्रति प्रेरित किया जाएगा तथा सभी नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। अभियान के शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने मंडी परिसर में आए विभिन्न ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर रेडियम टेप लगाकर अभियान की औपचारिक शुरुआत की। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाएं। इस दौरान एसडीएम इटारसी निलेश शर्मा, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती नीता कोरी, डीएसपी ट्रैफिक संतोष मिश्रा, उपसंचालक कृषि रविकांत सिंह सहित अन्य जन प्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी गण उपस्थित रहे।

दैनिक क्षितिज किरण की खबर का असर

कलेक्टर सोमेश मिश्रा की सार्थक पहल ट्रालियों के पीछे लगाई जा रही रेडियम

दुर्घटना रोकने के लिए प्रभावी रहेगा कलेक्टर का प्रयास

नर्मदापुरम। पिछले दिनों गेहूं से भरी एक ट्रैक्टर ट्राली से टवेरा कार के टकरा जाने से पांच लोगों की मौत हो गई थी। इस गंभीर घटना ने सबको झकझोर दिया था। रात के समय घटना हुई थी। रात के समय सड़कों पर वाहन कम ही दिख पाते हैं। सड़कों पर अंधेरा भी रहता है। इस घटना के बाद दैनिक क्षितिज किरण के द्वारा 29 अप्रैल के अंक में खबर का प्रकाशन करते हुए जिला प्रशासन के मुखिया नवागत ऊर्जावान सक्रिय कलेक्टर सोमेश मिश्रा को सुझाव दिया गया था कि रात अंधेरे चलने वाली ट्रैक्टर ट्रालियों के कारण सड़क दुर्घटनाएं होती रहती है। इसलिए वाहन के पीछे रेडियम लगा होने से वाहन दूर से नजर आने लगता है। इस बात को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने उसी दिन कृषि अधिकारी को निर्देशित किया था कि ट्रैक्टर ट्राली के पीछे रेडियम लगाए जाने चाहिए। मंगलवार को कलेक्टर श्री मिश्रा के द्वारा सार्थक पहल को अंजाम देते हुए स्वयं ने भी ट्राली के पीछे रेडियम लगाने की पहल की शुरूआत की है। इससे निश्चित ही दुर्घटनाओं पर अंकुंश लगने की संभावनाएं बढेंगी।

ट्रैक्टर ट्राली और रेत के डंपरों व अन्य वाहनों के पीछे लगना चाहिए रेडियम
दुर्घटना रोकने के लिए होना चाहिए सार्थक प्रयास

अब पशुओं के सींगों पर भी लगाए जाने चाहिए रेडियम

प्राय: देखने में आता है कि बारिश के समय में बड़ी संख्या में शहरों तथा शहर के बाहर सड़कों पर पशुओं का डेरा बना रहता है। इन पशुओं के सींगों पर रेडियम लगाए जाने से दूर से ही पशु नजर आ जाते हैं जिससे वाहन चलाने वाला सतर्क हो जाता है। कई बार सड़कों पर बैठे पशु नजर नहीं आने से भी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

भोपाल में एनएसजी और पुलिस का संयुक्त मॉक ड्रिल, आतंकी हमले की स्थिति में सुरक्षा तैयारियों को परखा

भोपाल,(निप्र.) । राजधानी भोपाल में मंगलवार को सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) द्वारा एक उच्च स्तरीय मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिसमें आतंकियों के बिल्डिंग में घुसने की स्थिति का सजीव अभ्यास किया गया। दरअसल, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के समीप स्थित बंसल वन बिल्डिंग में आयोजित इस अभ्यास के दौरान आतंकवादियों के घुसने और नागरिकों को बंधक बनाए जाने जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सजीव चित्रण किया गया। यह पूरी कवायद पिछले एक महीने से मध्य प्रदेश पुलिस की विभिन्न इकाइयों के साथ चल रहे संयुक्त प्रशिक्षण का समापन हिस्सा थी।अभ्यास के दौरान एनएसजी कमांडोज ने इमारत में प्रवेश कर आतंकियों को बेअसर करने और वहां फंसे आम लोगों को सुरक्षित

बाहर निकालने की बारीकियों का प्रदर्शन किया। इस ऑपरेशन में मध्य प्रदेश पुलिस के बम डिस्पोजल एंड डिटेक्शन स्क्वॉड (बीडीडीएस), फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस सेवाओं को भी शामिल किया गया, ताकि आपातकालीन स्थितियों में सभी विभागों के बीच समन्वय को जांचा जा सके। ड्रिल के चलते एहतियात के तौर पर संबंधित क्षेत्र की घेराबंदी की गई और आम जनता की आवाजाही को सीमित रखा गया था।एनएसजी के ग्रुप कमांडर कर्नल अभिषेक सिंह ने इस अभ्यास की जानकारी देते हुए बताया कि पिछले एक माह से कमांडोज राज्य पुलिस की काउंटर टेररिस्ट यूनिट्स के साथ गहन प्रशिक्षण ले रहे थे। इस दौरान उन्हें बिल्डिंग इंटरवेंशन, बम डिस्पोजल, टैक्टिकल ड्राइविंग और के-9 यूनिट के साथ काम करने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह की ड्रिल का मुख्य उद्देश्य विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच तालमेल बिठाना और रिस्पांस टाइम को कम करना है, जिससे किसी भी आतंकी खतरे के समय प्रभावी कार्रवाई की जा सके। रणनीतिक रूप से इस अभ्यास के लिए दो प्रमुख स्थानों का चयन किया गया था। बंसल वन टावर के साथ-साथ भोपाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट को भी संभावित लक्ष्य के रूप में शामिल किया गया।

एक माह में खत्म हों सभी ब्लैक स्पॉट के शॉर्ट टर्म कार्य : कलेक्टर श्री मिश्रा

पीएम राहत राहवीर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

भोपाल,(निप्र.)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ठोस एवं समयबद्ध कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक में निर्देश दिए गए कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चिन्हित सभी ब्लैक स्पॉट का संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण कर त्वरित सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शॉर्ट टर्म कार्य—जैसे रोड मार्किंग, साइनेज, स्पीड ब्रेकर, ज़ेब्रा क्रॉसिंग पेंटिंग, स्पीड कंट्रोलर एवं दृश्यता बढ़ाने जैसे उपाय—एक माह के भीतर पूर्ण किए जाएं, ताकि दुर्घटनाओं में तत्काल कमी लाई जा सके। साथ ही दीर्घकालिक सुधारात्मक कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।उन्होंने नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस एवं अन्य निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा समिति की संयुक्त टीम द्वारा नियमित मैदानी निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति सुनिश्चित की जाए और प्रत्येक ब्लैक स्पॉट पर शॉर्ट टर्म कार्य एक माह में अनिवार्य रूप से पूरे हों। बैठक में प्रधानमंत्री राहत राहवीर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विशेष जोर दिया गया।

तकनीकी शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार अध्यक्षता में एसजीएसआईटीएस, इंदौर की शासी निकाय की 129वीं बैठक हुई

विद्यार्थियों का समग्र हित ही हमारी प्राथमिकता है : तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री परमार

भोपाल(ए.)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में इंदौर के प्रतिष्ठित तकनीकी शिक्षा संस्थान, गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (SGSITS) एसजीएसआईटीएस, इंदौर की शासी निकाय (Board Of Governance) की 129वीं बैठक हुई। मंत्री श्री परमार ने प्रस्तावित कार्यसूची के विभिन्न बिंदुओं पर व्यापक चर्चा कर, शासन के नियमों का पालन करते हुए क्रियान्वयन के दिशा-निर्देश दिए।तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि संस्थान, अपने उत्तरोत्तर उत्थान एवं समग्र विकास के लिए, आदर्श व्यवस्था बनाए जिससे अन्य संस्थान भी अभिप्रेरित हों। मंत्री श्री परमार ने कहा कि हमारी प्राथमिकता, विद्यार्थियों का समग्र हित है। श्री परमार ने कहा कि संस्थान में शिक्षकों के रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया शासन के नियमों के अनुरूप रोस्टर का पालन करते हुए सुनिश्चित की जाए और यह प्रक्रिया पूर्णरूपेण पारदर्शी हो। बैठक में संस्थान के शासी निकाय की 128वीं बैठक का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। शासी निकाय द्वारा संस्थान में अटल वित्तीय सहायता योजना प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया, इसमें 2025 एवं उसके उपरांत प्रवेश पाने वाले सभी विद्यार्थियों (डिप्लोमा द्वारा द्वितीय वर्ष में प्रविष्ट व्यक्ति सहित) प्रत्येक वर्ष 1.00 करोड़ की आनुपातिक आर्थिक सहायता विद्यार्थियो को प्रदान की जाएगी। संस्थान द्वारा शुरू किए जा रहे नवीन बी टेक (सिविल इंजीनियरिंग) हिन्दी माध्यम प्रोग्राम में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को फाइनल ईयर में पहुंचने पर 2 लाख रुपए की वित्तीय सहायता देने का निर्णय लिया गया। संस्थान में दो नवीन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, इंटीग्रेटेड हेल्थ केयर एवं स्ट्रेटेजिक टेक्नोलॉजीस की स्थापना का अनुमोदन भी किया गया।बैठक में संस्थान में शिक्षकों के रिक्त पद पूर्ति, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियुक्ति, एआईसीटीई गाइडलाइन में अपेक्षित छात्र-शिक्षक अनुपात के अनुसार सेल्फ फाइनेंस मोड में शिक्षकों के पद सृजन एवं गैर शिक्षकीय अधिकारी-कर्मचारी पद पूर्ति सहित संस्थान के शैक्षणिक एवं अकादमिक उन्नयन और विद्यार्थियों के समग्र हितों से जुड़े विविध विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।बैठक में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल के कार्यवाहक कुलगुरु डॉ एस सी चौबे, प्रतिनिधि प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा डॉ संतोष गांधी, प्रतिनिधि आयुक्त तकनीकी शिक्षा डॉ मोहन सेन, उद्योग प्रतिनिधि इंजी मनीष गुप्ता, पद्मश्री डॉ. डी.बी. फाटक (आईआईटी बॉम्बे), गोविंदराम सेकसरिया चेरिटेबल ट्रस्ट के सदस्य हर्ष सेकसरिया, वित्त सचिव के प्रतिनिधि एवं एसजीएसआईटीएस इंदौर के निदेशक प्रो. नीतेश पुरोहित सहित तकनीकी शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण और संस्थान की शासी निकाय के विभिन्न सदस्यगण उपस्थित थे।

अनुसूचित जनजाति वर्ग के उम्मीदवारों हेतु विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना

भोपाल,(निप्र.)। जनजातीय कार्य विभाग, भोपाल द्वारा मध्यप्रदेश के अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना के लिये आवेदन निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित किये जा रहे हैं। विदेश में उच्च शिक्षा यथा शोध उपाधि उपरांत अध्ययन, पी.एच.डी. एवं स्नातकोत्तर करने हेतु चयनित अभ्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। काउंसलिंग अधिकारी,जनजाति कार्य विभाग ने बताया कि आवेदन पत्र का प्रारूप एवं विस्तृत जानकारी जनजातीय कार्य विभाग की Website: tribal.mp.gov.in पर उपलब्ध है। योजना अंतर्गत अभ्यर्थियों का चयन वर्तमान प्रचलित योजना नियमों में प्रावधान अनुसार किया जायेगा।अधिक जानकारी के लिए जनजातीय कार्य विभाग की वेबसाइट www.tribal.mp.gov.in पर अथवा कार्यालय आयुक्त, जनजातीय कार्य, 59, आदि भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल /संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य एवं अनु. जाति विकास/सहायक आयुक्त एवं जिला संयोजक जनजातीय कार्य में उपस्थित होकर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सफलता की कहानी

जल गंगा संवर्धन अभियान पुष्पराजगढ़ में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' से हो रहा है नहर सुदृढ़ीकरण अंतिम छोर तक पानी पहुंचने से बदलेगी तस्वीर

भोपाल,(निप्र.) । अनूपपुर जिले का आदिवासी बहुल विकासखंड पुष्पराजगढ़ अब कृषि विकास की नई दिशा की ओर अग्रसर है। ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' के अंतर्गत झिलमिल जलाशय की नहरों के निर्माण, सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार कार्य से यहाँ किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा। वर्षों से इस क्षेत्र के किसान वर्षा आधारित खेती या सीमित जल स्त्रोतों पर निर्भर थे। नहर प्रणाली की जर्जर स्थिति के कारण जल अंतिम छोर तक नहीं पहुँच पाता था, जिससे सिंचाई में बाधा आती थी। अब जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत झिलमिल जलाशय के मुख्य नहर तथा माइनर नहर के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य तेजी से प्रगति पर है। करीब 19 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से यह कार्य पूर्ण होने पर 5.04 एमसीएम क्षमता वाले जलाशय का जल अंतिम छोर के खेतों तक पहुँच सकेगा। इससे सिंचाई व्यवस्था में स्थायी सुधार होगा। लगभग 905 हेक्टेयर सिंचाई क्षमता को सुदृढ़ बनाया जा रहा है।

8.12 लाख किसानों से 44.16 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का हुआ उपार्जन : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल(ए.) खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 8 लाख 12 हजार किसानों से 44 लाख 16 हजार मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। उन्होंने बताया है की तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक तथा देयक जारी करने का समय रात 12 तक कर दिया गया है। गेहूँ का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन सोमवार से शनिवार तक किया जाता है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि अभी तक 14 लाख 78 हजार किसानों द्वारा गेहूँ उपार्जन के लिए स्लॉट बुक कराए गए हैं। किसानों के हित में गेहूँ उपार्जन की अवधि 9 मई से बढ़ाकर 23 मई 2026 तक की गई। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल कांटों की संख्या में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही एनआईसी सर्वर की क्षमता एवं संख्या में वृद्धि कराई गई। खाद्य विभाग द्वारा प्रति घंटा स्लॉट बुकिंग एवं उपार्जन की मॉनिटरिंग की जा रही है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि किसानों को 7383.01 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिए पीने का पानी, बैठने के लिए छायादार स्थान, जन सुविधाए आदि की व्यवस्थाएँ की गई हैं। किसानों के उपज की तौल समय पर हो सके, इस हेतु समस्त आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं। इसमें बारदाने, तौल कांटे, हम्माल तुलावटी, सिलाई मशीन, कम्प्यूटर, नेट कनेक्शन, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण, उपज की साफ सफाई के लिए पंखा, छन्ना आदि की व्यवस्था की गई है। उपार्जन केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं के फोटो ग्राफ्स भारत सरकार के PCSAP पोर्टल पर अपलोड करने की कार्यवाही की जा रही है।किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है। उपार्जित गेहूँ की भर्ती जूट बारदाने के साथ साथ PP/HDP बेग एवं जूट के एक भर्ती बारदाने का उपयोग किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये भण्डारण की पर्याप्त व्यवस्था की गई, जिससे उपार्जित गेहूँ का सुरक्षित भण्डारण किया जा सके।

पेरिस में बिखरी मध्यप्रदेश के "बाग प्रिंट" की आभा

विकास आयुक्त श्रीमती अमृत राज के प्रयासों से मिली वैश्विक पहचान

भोपाल(ए.) मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक और हस्तशिल्प विरासत बाग प्रिंट ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं।

प्रदेश की पारंपरिक कलाओं को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक प्रभावी कदम है। इस अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) श्रीमती अमृत राज के दूरदर्शी नेतृत्व और विशेष प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके मार्गदर्शन में हस्तशिल्पियों को वैश्विक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से एक सुदृढ़ कार्ययोजना तैयार की गई है, जिससे मध्य प्रदेश की कला को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। श्रीमती अमृत राज के प्रयासों से ही स्थानीय शिल्पकारों को आधुनिक वैश्विक मांग के अनुरूप तकनीकी सहयोग और विपणन के अवसर प्राप्त हो रहे हैं, जिससे बाग प्रिंट जैसी दुर्लभ कला का पुनरुद्धार हुआ है।

केरवा डैम के क्षतिग्रस्त वेस्टवियर का कार्य आगामी दो माह में पूर्ण करें : जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट

वेस्टवियर पुनर्निर्माण कार्य का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए निर्देश

भोपाल(ए.)। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने निर्देश दिए हैं कि केरवा डैम के क्षतिग्रस्त वेस्टवियर का कार्य आगामी दो माह में पूर्ण किया जाए। कार्य पूर्ण गुणवत्ता पूर्वक हो एवं संबंधित अधिकारी निरंतर कार्य का निरीक्षण कर वरिष्ठ अधिकारियों को प्रगति की जानकारी दें। कुछ माह पूर्व बांध के वेस्टवियर का स्लैब

अत्यधिक पुराना होने के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसका वर्तमान में पुन: निर्माण कार्य कराया जा रहा है।जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने मंगलवार को केरवा बांध के क्षतिग्रस्त वेस्टवियर के पुनर्निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और कार्य के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री बी.एल. निमामा, कार्यपालन यंत्री नितिन कुहिकर, अनुविभागीय अधिकारी प्रदीप चतुर्वेदी तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित थे। केरवा बांध की कुल लंबाई 396. 50 मीटर एवं उंचाई 22.6 मीटर है। बांध की कुल जीवित जल भराव क्षमता 22.6 मिलियन घन मीटर है, जिससे भोपाल जिले के लगभग 35 ग्रामों की 3 हजार 960 हेक्टेयर भूमि में रबी सिंचाई किया जाना रूपांकित है। इसके अतिरिक्त जलाशय से पेयजल के लिए जल भी प्रदाय किया जाता है।स्थल निरीक्षण के दौरान मैदानी अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि टूटे हुए हिस्से को डिस्मेंटल कर नवीन निर्माण के लिए फाउंडेशन लेवल तक खुदाई का कार्य किया जा चुका है।

होशियार रहे सायबर ठगो के नये हथियार से

- बैंक का डाउनलोड किया गया एप हो सकता है फर्जी

- ठगो ने कई बैंकों के फर्जी एप बनाकर छोड़ रखे है इंटरनेट की दुनिया में

भोपाल(ए.)। सायबर ठगोरो ने फर्जीवाड़ा करने के लिये नया तरीका अपनाया है। शातिर जालसाजो ने कई बैंकों के फर्जी एप बनाकर इंटरनेट प्लेटफॉर्म पर डाल रखे है। ऐसे ही एक फर्जी एप को डाउनलोड करने के बाद किसान ने जालसाजों के एकांउट में लाखो की रकम ट्रांसफर कर दी। मामला शहर के देहात क्षेत्र के बैरसिया थाना इलाके

का हैं। मिली जानकारी के अनुसार बैरसिया कस्बा में रहने वाले उमेश विश्वकर्मा ने अपने दोस्त मीणा से रकम उधार ली थी। यह रकम लौटाने के लिए उन्होंने बैंक जाकर इंटरनेट बैंकिंग ली। शुरुआती प्रोसेस के बाद बैंक ने उन्हें बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) का एप डाउनलोड करने को कहा था। बाद में 3 मई को उन्होनें बैंक का एप डाउनलोड किया, यह एप फर्जी थी। लेकिन फरियादी को बात का अहसास ही नहीं हुआ कि वह एप जाली है। इसके बाद उन्होनें एक लाख 88 हजार रुपए की रकम ट्रांसफर कर दी। यह रकम जालसाजों के एकाउंट में चली गई। बाद में जब उमेश ने अपने दोस्त को फोन लगाकर पूछा तब ठगी की घटना का खुलासा हुआ। फरियादी बैंक पहुंचे वहॉ कर्मचारियो ने उन्हें बताया की उन्होंने जिस एप को डाउनलोड किया है, वह फर्जी है। शिकायत मिलने पर थाना पुलिस ने बीते दिन जालसाजी का प्रकरण दर्ज किया है। मामले में आगे जांच भोपाल सायबर क्राइम करने जा रही है। फिलहाल पुलिस जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई उनके संबध में बैंक से जानकारी जुटा रही है।

तहसील स्तर पर अनवरत आयोजित होती रहेंगी जनसुनवाई : कलेक्टर श्री मिश्रा

भोपाल (ए.)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को भोपाल जिले में प्रशासनिक विकेंद्रीकरण तथा सुशासन के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक नवाचार का सूत्रपात किया गया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि तहसील स्तर पर जिला स्तरीय जनसुनवाई का यह प्रथम आयोजन है, भविष्य में भी जनसमस्याओं के त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण हेतु अनवरत रूप से इसी प्रकार के आयोजन संपन्न किए जाते रहेंगे। इस अवसर पर बैरसिया विधायक विष्णु खत्री भी जनसुनवाई में विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि यह अभिनव पहल जनसामान्य की समस्याओं के निराकरण के लिए सार्थक एवं स्वागत योग्य है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने प्रत्येक आवेदकों से धैयपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की।उन्होंने मौके पर ही उपस्थित संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदाय किए तथा समस्त आवेदकों को उनकी समस्याओं के यथोचित एवं त्वरित निराकरण का पूर्ण आश्वासन प्रदान किया।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह में आधुनिक रेलवे प्लेटफॉर्म का शुभारंभ

फ्लाई ऐश के कुशल प्रबंधन एवं प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (MPPGCL) द्वारा श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया में फ्लाई ऐश के कुशल प्रबंधन एवं परिवहन के लिए एक आधुनिक रेलवे प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी पीएम गतिशक्ति परियोजना के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य देश में लॉजिस्टिक्स अवसंरचना को सुदृढ़ करना और परिवहन को अधिक प्रभावी बनाना है। इस नवीन रेलवे प्लेटफॉर्म के माध्यम से अब ताप विद्युत गृह से उत्पन्न फ्लाई ऐश का परिवहन अत्याधुनिक मशीनों एवं विशेष कंटेनरों के जरिए होगा। इसके लिए विशेष मशीनों का उपयोग किया जाएगा, जिससे लोडिंग व अनलोडिंग की प्रक्रिया अधिक सुरक्षित, तेज व पर्यावरण के अनुकूल होगी। यह प्रणाली फ्लाई ऐश परिवहन के क्षेत्र में आधुनिकता और दक्षता का नया मानक स्थापित करेगी।

प्रदूषण से मिलेगी मुक्ति

पूर्व में फ्लाई ऐश का परिवहन मुख्यत: सड़क मार्ग से बल्करों के माध्यम से तथा रेलवे के जरिए टारपोलिन से ढंके रैक के जरिए किया जाता था। इस पारंपरिक व्यवस्था में प्रदूषण की संभावना अधिक रहती थी तथा संचालन में भी कई व्यावहारिक चुनौतियाँ सामने आती थीं। नवीन रेलवे प्लेटफॉर्म के निर्माण से इन समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित हुआ है। अब फ्लाई ऐश का परिवहन अत्यल्प प्रदूषण के साथ सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके से किया जा सकेगा।

सुगम समाधान है आधुनिक प्लेटफॉर्म

यह आधुनिक रेलवे प्लेटफॉर्म 630 मीटर लंबा है और इसका निर्माण लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत से निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया गया है। प्लेटफॉर्म की विशेषता यह है कि इस पर संपूर्ण रेल रैक को एक साथ खड़ा किया जा सकता है, जिससे खास कंटेनरों एवं वैगनों में फ्लाई ऐश तथा अन्य सामग्री की लोडिंग-अनलोडिंग अत्यंत सुगमता से की जा सकती है। यह व्यवस्था न केवल संचालन को सरल बनाएगी, बल्कि लंबी दूरी तक फ्लाई ऐश के परिवहन को अधिक किफायती और प्रभावी भी बनाएगी। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृह लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फ्लाई ऐश के अधिकतम उपयोग और प्रबंधन के लिए नवाचारपूर्ण पहल कर रहे हैं। पीएम गतिशक्ति परियोजना का स्मार्ट उपयोग करते हुए कंपनी ने लॉजिस्टिक्स लागत में कमी, अवसंरचना सुदृढ़ीकरण एवं समन्वित क्रियान्वयन के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।

पुष्पराजगढ़ में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' से हो रहा है नहर सुदृढ़ीकरण

अंतिम छोर तक पानी पहुंचने से बदलेगी तस्वीर

अनूपपुर (ए) जिले का आदिवासी बहुल विकासखंड पुष्पराजगढ़ अब कृषि विकास की नई दिशा की ओर अग्रसर है। ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' के अंतर्गत झिलमिल जलाशय की नहरों के निर्माण, सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार कार्य से यहाँ किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा। वर्षों से इस क्षेत्र के किसान वर्षा आधारित खेती या सीमित जल स्त्रोतों पर निर्भर थे। नहर प्रणाली की जर्जर स्थिति के कारण जल अंतिम छोर तक नहीं पहुँच पाता था, जिससे सिंचाई में बाधा आती थी। अब जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत झिलमिल जलाशय के मुख्य नहर तथा माइनर नहर के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य तेजी से प्रगति पर है। करीब 19 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से यह कार्य पूर्ण होने पर 5.04 एमसीएम क्षमता वाले जलाशय का जल अंतिम छोर के खेतों तक पहुँच सकेगा। इससे सिंचाई व्यवस्था में स्थायी सुधार होगा। लगभग 905 हेक्टेयर सिंचाई क्षमता को सुदृढ़ बनाया जा रहा है। करीब 11 किलोमीटर लंबा नहर तंत्र विकसित किया जा रहा है। इस योजना से सीधे तौर पर बीजापुरी, पीपाटोला, कछरा टोला और झिलमिल गाँवों के लगभग एक हजार किसान परिवार लाभान्वित होंगे। उनकी आय में वृद्धि और आजीविका में स्थिरता आयेगी।

अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली परियोजना की नियमित निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने जल संसाधन विभाग को निर्देश दिए हैं कि कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। स्थानीय किसानों में इस परियोजना को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। किसान जगत सिंह, ठाकुर सिंह और कमलेश्वर सिंह सहित कई कृषकों का कहना है कि नहरों के सुधार से अब अंतिम खेत तक पानी पहुँचने की समस्या समाप्त हो जाएगी, जिससे वे दोनों मौसमों में बेहतर खेती कर सकेंगे। पुष्पराजगढ़ में झिलमिल जलाशय से प्रवाहित यह जल न केवल खेतों को सिंचित करेगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा।'

कलेक्टर की संवेदनशील पहल, जनसुनवाई में आमजन के लिए शीतल छाछ की व्यवस्था

राजगढ़, (ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में बढ़ती गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए कलेक्टर डॉ. गिरीशकुमार मिश्रा ने आमजन की सुविधा के लिए एक सराहनीय और संवेदनशील पहल की है।कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आने वाले नागरिकों विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए ठंडी और ताजी छाछ की निःशुल्क व्यवस्था की गई। गर्मी के मौसम में जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं। कई बार वे लंबे समय तक इंतजार करते हैं, ऐसे में यह शीतल छाछ उनके लिए राहत का माध्यम बन रही है। जिले में आज का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते रोज हुई हल्की बारिश के बाद तापमान में थोड़ी गिरावट जरुर आई, लेकिन गर्मी का असर अभी भी बना हुआ है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना : 200 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, एक मुस्लिम जोड़े का हुआ निकाह

गाजे बाजे के साथ धूमधाम से निकली बारात में जनप्रतिनिधियों ने नव दंपतियों को दिया आशीर्वाद

बैतूल (ए.)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना के तहत मुलताई जनपद के ग्राम चंदौरा में मंगलवार को सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। भव्य आयोजन में 200 जोड़े विवाह बंधन में बंधे।

पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हिंदू जोड़ों के विवाह संपन्न हुए, वहीं एक मुस्लिम जोड़े का निकाह भी कराया गया। सामूहिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, मुलताई विधायक चंद्रशेखर देशमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार, जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य सुधाकर पवार सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उइके ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए वरदान साबित हो रही है। इससे बेटियों के विवाह में आने वाली आर्थिक बाधाएं दूर हो रही हैं। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा गरीब परिवार की बेटियों की चिन्ता कर पूरी भव्यता और गरिमा के साथ उनका विवाह संपन्न कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विवाह एक ऐसा संस्कार है, जिसमें पुरुष और प्रकृति एक होकर एकाकार हो जाते है और नव वैवाहिक जीवन में प्रवेश कर गृहस्थ आश्रम को आगे बढ़ाते हैं।

माचना नदी पुनर्जीवन अभियान में युवाओं ने जलकुंभी हटाकर दिया स्वच्छता का संदेश

बैतूल (ए.)। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के तहत जिले की जीवनदायिनी माचना नदी को स्वच्छ और अविरल बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को आयोजित श्रमदान कार्यक्रम में ग्रीन टाइगर संस्था के तरुण वैध के साथ शमशेर सिंह भोसले, नगर सोनाघाटी पारधी बस्ती के युवा एवं स्वस्ति सेवा समिति के सेवाभावी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। युवाओं ने नदी में उतरकर जलकुंभी निकालने का सराहनीय कार्य किया। इस प्रयास से न केवल नदी के प्रवाह को सुचारु बनाने में मदद मिली, बल्कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया गया। अभियान में शामिल युवाओं का उत्साह और समर्पण देखने लायक रहा।प्रति रविवार पद्मश्री मोहन नागर, जल प्रहरी तरुण वैद्य एवं जन अभियान परिषद के नेतृत्व में यह नदी पुनर्जीवन अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है। धीरे-धीरे इसमें जनसहभागिता भी बढ़ रही है, जिससे माचना नदी को पुनर्जीवित करने की दिशा में सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

एनआरएलएम समूह की महिलाओं को फील्ड टेस्टिंग किट से जल जांच का दिया प्रशिक्षण

बैतूल (ए.)। बैतूल कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत विकासखंड चिचोली में ग्रामीण महिलाओं को शुद्ध पेयजल सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। कार्यपालन यंत्री के मार्गदर्शन में विकासखंड समन्वयक श्रीमती वैशाली आर्य ने एनआरएलएम समूह की महिलाओं को एफटीके फील्ड टेस्टिंग किट से पानी की गुणवत्ता जांचने की जानकारी दी। प्रशिक्षण में महिलाओं को गांव स्तर पर पेयजल परीक्षण , जल संरक्षण और जल संवर्धन के उपाय बताए गए। साथ ही नलजल योजनाओं को मजबूत बनाने में ग्राम पंचायत के साथ समन्वय कर काम करने और जलकर वसूली की आवश्यकता पर जोर दिया गया, ताकि बिजली बिल, मरम्मत और रखरखाव जैसे खर्चों के लिए गांव में ही पर्याप्त राशि उपलब्ध हो सके।

जनसुनवाई में दिखा प्रशासन का मानवीय चेहरा

- कलेक्टर ने त्वरित निराकरण कर आमजन को दी राहत

इंदौर (ए.)। कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई एक बार फिर आमजन के लिए संकटमोचक सिद्ध हुई। कलेक्टर शिवम वर्मा ने न केवल नागरिकों की शिकायतों को संवेदनशीलता के साथ सुना, बल्कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सुशासन के संकल्प को साकार करते हुए कई गंभीर प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया।

जनसुनवाई के दौरान एक भावुक क्षण तब आया, जब किडनी रोग से पीड़ित एक बालिका अपने माता-पिता के साथ कलेक्टर को धन्यवाद देने पहुँची। आर्थिक तंगी के कारण उपचार में असमर्थ परिवार को प्रशासन के हस्तक्षेप से नई उम्मीद मिली है। कलेक्टर के निर्देश पर बालिका का नियमित डायलिसिस और उपचार सरकारी व्यय पर शुरू कराया गया, जिससे उसका जीवन सुरक्षित हो सका। परिजनों ने इस मदद के लिए जिला प्रशासन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।प्रशासनिक संवेदनशीलता का एक और उदाहरण नेहरू नगर क्षेत्र में देखने को मिला। क्षेत्रवासी अजीत रघुवंशी की शिकायत पर कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए एक मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति को उपचार हेतु मानसिक चिकित्सालय भिजवाया। उक्त व्यक्ति लंबे समय से रहवासियों के लिए परेशानी और भय का कारण बना हुआ था। इस त्वरित कार्यवाही पर क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली है।

समयबद्ध निराकरण के सख्त निर्देश

जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पंवार और रोशन राय सहित अन्य अधिकारियों ने प्लॉट, संपत्ति विवाद, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े आवेदनों पर प्रत्यक्ष संवाद किया। कलेक्टर वर्मा ने शेष लंबित प्रकरणों के लिए संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का समाधान समय सीमा के भीतर और सहानुभूतिपूर्वक किया जाए।

व्यापार समाचार

सुस्त पड़ी रफ्तार, चांदी 2 दिन में 8000 रुपए सस्ती, सोना हाई से 53000 रुपये गिरा; देखें नए दाम

नई दिल्ली (आरएनएस),। सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी है। इस सप्ताह के शुरुआत 2 कारोबारी दिनों में अब तक मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी का वायदा भाव 8000 रुपये से ज्यादा टूट चुका है। मंगलवार को भी ओपनिंग के साथ ही ये कीमती धातु फिसल गई। इस ताजा गिरावट के बाद अपने लाइफ टाइम हाई लेवल से 1 किलो चांदी 2.14 लाख रुपये से ज्यादा सस्ती हो गई है। सोना सप्ताह के दूसरे दिन एमसीएक्स पर कारोबार ओपन होने के साथ ही फिसला, हालांकि कुछ देर बाद इसमें मामूली तेजी भी देखने को मिली। इसके बावजूद ये कीमती धातु अपने हाई लेवल से अब 53000 रुपये से ज्यादा सस्ती मिल रही है।

अगर चांदी के हाई लेवल से तुलना करें, तो पहले बता दें कि इस एक्सपायरी वाली चांदी का लाइफ टाइम हाई लेवल 4,57,328 रुपये प्रति किलो है, जिसे इसने जनवरी महीने में टच किया था। हालांकि, इसके बाद सिल्वर प्राइस इस लेवल से क्रैश होता गया और फिलहाल इसका दाम हाई से 2,14,421 रुपये प्रति किलो तक कम हो चुका है।

अब बात सोने की वायदा कीमत में आए बदलाव के बारे में बात करें, तो एमसीएक्स गोल्ड रेट मंगलवार को ओपनिंग के साथ फिसलने के बाद मामूली बढ़त लेकर कारोबार करता दिखाई दे रहा है।लेकिन ये कीमती पीली धातु भी महज दो कारोबारी दिनों में 1,51,352 रुपये प्रति 10 ग्राम से गिरते हुए अब 1,49,228 रुपये के लेवल पर आ गई है। ऐसे में दो दिन में सोना 2124 रुपये टूटा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 5 जून की एक्सपायरी वाले वायदा सोना का लाइफ टाइम हाई लेवल 2,02,984 रुपये है और इस हाई को चांदी की तरह ही सोने ने भी जनवरी महीने में ही छुआ था। यहां से अब 10 Gram 24 Karat Gold 53,756 सस्ता हो चुका है। एमसीएक्स ही नहीं, बल्कि घरेलू मार्केट में भी सोना-चांदी सस्ता हुआ है। इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट IBJA.Com के मुताबिक, बीते सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव शाम के समय 1,50,263 रुपये पर क्लोज हुआ था, जो बीते कारोबारी दिन सोमवार की शाम गिरते हुए 1,48,100 रुपये पर आकर बंद हुआ। इसके अलावा चांदी की कीमत देखें, तो इसमें मामूली गिरावट आई है और ये 2,40,331 रुपये से गिरकर 2,40,120 रुपये पर बंद हुई।

00

वैश्विक बाजारों में तेजी और चुनावी नतीजों के जोश में झूम उठा शेयर बाजार, रियल्टी और आईटी में जमकर हो रही खरीदारी

मुंबई (ए.)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों की गहमागहमी और वैश्विक बाजारों में मजबूती से भारतीय शेयर बाजार की

शुरुआत सोमवार को सकारात्मक हुई। सेंसेक्स 343.77 अंक या 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,257.27 और निफ्टी 66 अंक या 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,063.55 पर था।

शुरुआती कारोबार में रियल्टी और आईटी शेयरों में खरीदारी देखी गई। सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी और निफ्टी आईटी टॉप गेनर था। निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मेटल, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फार्मा के साथ करीब सभी सूचकांक हरे निशान में थे।सेंसेक्स पैक में मारुति सुजुकी, अदाणी पोर्ट्स, एचयूएल, एलएंडटी, एमएंडएम, इंडिगो, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, एसबीआई, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, इन्फोसिस, सन फार्मा, टाइटन और टेक महिंद्रा गेनर्स थे। कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस, इटरनल, एचसीएल टेक, आईटीसी, बीईएल और भारती एयरटेल लूजर्स थे। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी बनी हुई है।

व्हाटसएप यूजर्स के लिए बड़ी खबर, रातों-रात गायब हो रहा ये खास फीचर; अब नहीं कर पाएंगे ये काम

नई दिल्ली (ए.)। यदि आप भी इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप व्हाट्सएप (WhatsApp) का इस्तेमाल करते हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप से एक ऐसा फीचर हमेशा के लिए हटने जा रहा है, जिसे कुछ लोग तो काफी पसंद करते थे, लेकिन कई यूजर्स ने इसका कभी इस्तेमाल ही नहीं किया। इस बड़े बदलाव के बाद अब यूजर्स अपना 'डिजिटल अवतार' नहीं बना पाएंगे और न ही उसे अपनी प्रोफाइल फोटो में लगा सकेंगे। कंपनी इस बदलाव को बेहद गुपचुप तरीके से धीरे-धीरे रोल आउट कर रही है, इसलिए बहुत से यूजर्स को अभी तक इसकी भनक भी नहीं लगी है।

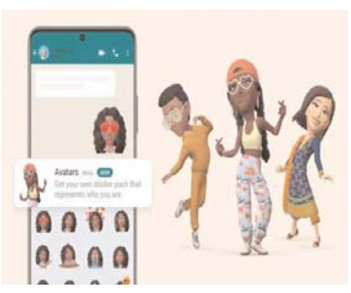

प्रोफाइल से लेकर कीबोर्ड तक- अब नहीं दिखेगा आपका 'डिजिटल अवतार'

WABetaInfo की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाट्सएप ने कुछ समय पहले यूजर्स को अपना खुद का डिजिटल अवतार बनाने की शानदार सुविधा दी थी। इसमें यूजर्स अपने चेहरे, हेयरस्टाइल और कपड़ों को कस्टमाइज करके अपना एक एनिमेटेड लुक तैयार कर सकते थे। यह फीचर प्रोफाइल फोटो के साथ-साथ स्टिकर के रूप में भी खूब इस्तेमाल होता था। लेकिन अब इसे ऐप से पूरी तरह हटाया जा रहा है। सेटिंग्स, चैट इंफो और कीबोर्ड से अवतार का विकल्प धीरे-धीरे गायब हो रहा है। कई यूजर्स को तो बाकायदा यह नोटिफिकेशन भी मिलने लगा है कि 'अवतार एडिटिंग अब उपलब्ध नहीं है'। इसका सीधा मतलब है कि आने वाले समय में यह फीचर पूरी तरह इतिहास बन जाएगा।

चुपचाप हो रहा बदलाव, लेकिन पुराने स्टिकर्स रहेंगे सुरक्षित

मेटा इस बड़े बदलाव को सभी यूजर्स के लिए एक झटके में लागू नहीं कर रहा है, बल्कि इसे अलग-अलग चरणों (फेज) में रोल आउट किया जा रहा है। यही वजह है कि कई लोगों के ऐप में अभी तक कोई बदलाव नहीं दिखा है। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ यूजर्स के फोन में अवतार सेक्शन पूरी तरह से गायब हो चुका है और आने वाले कुछ ही हफ्तों में यह सभी के लिए बंद हो जाएगा। हालांकि, यूजर्स के लिए थोड़ी राहत की बात यह है कि जिन लोगों ने पहले से अवतार स्टिकर का इस्तेमाल किया है, वे तुरंत डिलीट नहीं होंगे। ये स्टिकर चैट के फेवरेट या रीसेंट सेक्शन में सुरक्षित रहेंगे और आप फिलहाल उनका इस्तेमाल कर सकेंगे।

आखिर कंपनी ने क्यों लिया इस फीचर को बंद करने का फैसला ?

व्हाट्सएप ने आधिकारिक तौर पर इस फीचर को बंद करने की कोई ठोस वजह नहीं बताई है, लेकिन इसके पीछे की वजह काफी हद तक साफ है। दरअसल, यह डिजिटल अवतार फीचर उतनी लोकप्रियता हासिल नहीं कर सका, जितनी कंपनी को उम्मीद थी। ज्यादातर यूजर्स आज भी अपनी असली प्रोफाइल फोटो (DP), सामान्य इमोजी और रेगुलर स्टिकर्स का ही ज्यादा इस्तेमाल करना पसंद करते हैं।

रिकॉर्ड डेट के बाद निफ्टी नेक्स्ट 50 में घटा वेदांत का वेटेज

- 5 हिस्सों में बंटी वेदांत, म्युचुअल फंड्स ने शुरू की बड़ी रीबैलेंसिंग

नई दिल्ली (ए.)। अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांत लिमिटेड का पांच अलग-अलग कंपनियों में बंटवारा होने के बाद बाजार में हलचल मची है। 1 मई, 2024 की रिकॉर्ड डेट के बाद से ही फंड मैनेजर अपने पोर्टफोलियो को रीबैलेंस करने में जुटे हैं, जिसका सबसे सीधा असर इंडेक्स फंड्स पर दिख रहा है। निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स में वेदांत का वजन 5.2 फीसदी से घटकर लगभग 2.3 फीसदी रह गया है। राइट रिसर्च की सोनम श्रीवास्तव के अनुसार, इस बदलाव के कारण इंडेक्स को फॉलो करने वाले पैसिव फंड्स को अपने पोर्टफोलियो में हिस्सेदारी घटानी पड़ी, जिससे बाजार में 'मैकेनिकल सेलिंग' देखने को मिली। हालांकि, इस बिकवाली का एक बड़ा हिस्सा 30 अप्रैल को हुए प्री-ओपन प्राइस डिस्कवरी सेशन में ही एडजस्ट हो गया, जहाँ वेदांत का शेयर 770 रुपए से गिरकर 289.50 रुपए तक आ गया था। विशेषज्ञ शशांक उदुपा का मानना है कि मौजूदा स्तर, जो करीब 270 रुपए है, वहाँ से अब बहुत ज्यादा एकतरफा बिकवाली नहीं होगी। हालांकि, अल्पकालिक उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है क्योंकि बाजार अभी इस बड़े बदलाव को पूरी तरह समझ रहा है। डिमर्जर के बाद बनी चार नई कंपनियां अभी लिस्ट नहीं हुई हैं, जिसमें 4 से 8 हफ्ते लग सकते हैं।

सैमसंग बायोलॉजिक्स की हड़ताल को पांचवां दिन, वेतन और मुआवजे में बढ़ोतरी की मांग

सोल (ए.)। सैमसंग ग्रुप की बायोटेक शाखा सैमसंग बायोलॉजिक्स के यूनियन से जुड़े कर्मचारियों ने मंगलवार को पांचवें दिन भी अपनी पहली आम हड़ताल जारी रखी। वे ज्यादा वेतन और प्रदर्शन के आधार पर मिलने वाले मुआवजे में बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। यूनियन के अनुसार, यह हड़ताल शुक्रवार को शुरू हुई थी, जिसमें यूनियन के 4,000 सदस्यों में से लगभग 2,800 सदस्यों ने हिस्सा लिया।योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 2011 में कंपनी की स्थापना के बाद से यह पहली हड़ताल है।पांच दिन की हड़ताल समाप्त करने के बाद यूनियन बुधवार से 'वर्क-टू-रूल' अभियान शुरू करने की योजना बना रही है। यूनियन से जुड़े मजदूर अपने मूल वेतन और प्रदर्शन से जुड़े वेतन में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी, हर मजदूर के लिए 30 मिलियन वॉन (लगभग 20,390 अमेरिकी डॉलर) का एकमुश्त नकद प्रोत्साहन और सालाना परिचालन मुनाफे के 20 प्रतिशत के बराबर बोनस की मांग कर रहे हैं। कंपनी ने मूल वेतन और प्रदर्शन आधारित वेतन में कुल मिलाकर 6.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया है।

दोनों पक्षों ने सोमवार को बातचीत फिर से शुरू की, लेकिन वे किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके। वे इस सप्ताह के अंत में अपने मतभेदों को कम करने के लिए दो और बैठकें करने की योजना बना रहे हैं।

यूनियन से जुड़े मजदूरों ने पिछले महीने तीन दिन की आंशिक हड़ताल की थी, जिससे कंपनी के अनुसार कम से कम 150 अरब वॉन (लगभग 101.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का नुकसान हुआ। कंपनी के एक सूत्र ने कहा, "हड़ताल के दौरान श्रम मंत्रालय के मध्यस्थता के अनुरोध पर जवाब देने का हमारा फैसला बातचीत के जरिए इस मामले को सुलझाने की हमारी सच्ची कोशिशों का ही एक हिस्सा था।" प्रतिनिधि ने श्रमिक संघ से आग्रह किया कि वे अपनी "अतार्किक" मांगों और सामूहिक कार्रवाई को रोकें और बातचीत की मेज पर लौट आएं। पिछले हफ्ते हुई पहली मध्यस्थता बैठक के दौरान, लेबर यूनियन ने कथित तौर पर कंपनी से बातचीत की शर्त के तौर पर अपनी सौदेबाजी समिति के सभी सदस्यों को बदलने की मांग की।

कंपनी के लेबर यूनियन के अनुसार, 4,000 यूनियन सदस्यों में से लगभग 2,800 सदस्यों ने इस सामूहिक कार्रवाई में हिस्सा लिया है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

जन कल्याण का रास्ता टिकाऊ नहीं

भारत में जन कल्याण का जो रास्ता चुना गया है, वह टिकाऊ नहीं है। हर वर्ष पिछले साल की तुलना में औसतन अधिक कर्ज लेने के बावजूद सरकारें नकदी हस्तातंरण की योजनाओं को सुगमता से नहीं चला पा रही हैं। बृहत-मुंबई महानगर पालिका के रिटायर शिक्षक का पेंशन भुगतान ना होने के बचाव में सरकार ने खजाने में पैसा ना होने का तर्क दिया। तो उससे नाराज बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार के पास अपने रिटायर्ड कर्मचारियों को पेंशन देने के लिए पैसा नहीं है, तो उसे लड़की बहन योजना रोक देनी चाहिए। इस योजना के तहत राज्य की डेढ़ करोड़ महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये दिए जाते हैं। खुद राज्य के मंत्री ऐसे बयान दे चुके हैं कि इस योजना से राजकोष पर पड़े भारी बोझ के कारण तमाम विभागों के बजट प्रभावित हुए हैँ। इस बीच हरियाणा में अस्पतालों के संघ ने संबंधित अधिकारी को पत्र लिख कर कहा है कि 20 अप्रैल तक उनके बकाये का भुगतान नहीं हुआ, तो वे आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों को भर्ती करना बंद कर देंगे। पत्र में ध्यान दिलाया गया है कि अस्पतालों का 400 करोड़ रुपये से अधिक बकाया सरकार पर है। आयुष्मान भारत के बारे में ऐसी शिकायतें कई अन्य राज्यों से भी आई हैं। ये खबरें बताती हैं कि भारत में जन कल्याण का जो रास्ता चुना गया है, वह टिकाऊ नहीं है। हर वर्ष पिछले साल की तुलना में औसतन अधिक कर्ज लेने के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारें नकदी हस्तातंरण की योजनाओं को सुगमता से नहीं चला पा रही हैं। और ऐसा होना अस्वाभाविक नहीं है। यह मूलभूत सिद्धांत है कि कोई अर्थव्यवस्था उत्पादक निवेश और पूंजी निर्माण पर टिकी नहीं है, तो वह उपभोग उन्मुख जन कल्याण को सुनिश्चित नहीं कर सकती।ऋण लेना अपने आप में समस्या नहीं है, बशर्ते उसका उपयोग उत्पादन बढ़ाने या टिकाऊ संपत्ति खड़ी करने में हो रहा हो। इन दोनों प्रक्रियाओं से मांग पैदा होती है, जिससे स्वत: उपभोग बढ़ता है। इस क्रम में सरकार का कर राजस्व बढ़ता है, जिससे वह टिकाऊ जन- कल्याण योजनाओं को चलाने की बेहतर स्थिति में होती है। मगर अपने यहां उलटी राह चुनी गई है। इस बीच चुनावी राजनीति में वोट खरीदने की बढ़ी प्रवृत्ति ने स्थिति ओर बिगाड़ दी है। उसका परिणाम महाराष्ट्र और हरियाणा जैसी स्थितियां हैं।

बंगाल की सियासत शून्य से शिखर तक भाजपा का सफर

राज कुमार सिन्हा

पश्चिम बंगाल में लंबे समय तक ज्योति बसु और बुद्धदेव भट्टाचार्य के नेतृत्व में वाम मोर्चा का शासन रहा, जो 1977 से 2011तक रहा। लगभग 34 वर्षों तक चले वाम मोर्चा शासन ने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया।इस दौरान भाजपा का प्रभाव लगभग नगण्य था। 2011 में ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस(टीएमसी) ने सत्ता हासिल की और वामपंथी शासन का अंत हुआ। इन पंद्रह वर्षों में टीएमसी ने वाम दलों को लगभग खत्म कर दिया।

इससे एंटी- टीएमसी वोट के लिए भाजपा एकमात्र विकल्प बन गई। यानी भाजपा का उभार राजनैतिक शून्यता भरने से जुड़ा हुआ है। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार शुरू किया। पश्चिम बंगाल में भी भाजपा ने अपनी संगठनात्मक ताकत बढ़ाई। 2014 में भाजपा को सीमित सफलता मिली थी। 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 18 सीटें जीतकर बड़ा उछाल दिखाया और 2021 में 77 सीटें जीतकर अपना इरादा दिखा दिया था। भाजपा का वोट शेयर भी तेजी से बढ़ा। टीएमसी से कई नेता भाजपा में शामिल हुए और भाजपा ने बूथ स्तर तक संगठन खड़ा किया। भाजपा ने टीएमसीपर मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप लगाया। इससे हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण हुआ जिससे भाजपा के लिए यह एक राजनीतिक अवसर बना। 2021 में भाजपा ने जोरदार अभियान चलाया, लेकिन टीएमसी ने भारी जीत दर्ज की थी। जिसका मुख्य कारण था कि ममता बनर्जी की व्यक्तिगत छवि मजबूत रही और उन्हें बंगाल की बेटी के रूप में पेश किया गया था। भाजपा को बाहरी पार्टी के रूप में प्रस्तुत किया गया था। जिसके कारण बंगाल बनाम बाहरी नैरेटिव प्रभावी रहा। कन्याश्री, रूपश्री, स्वास्थ साथी जैसी योजनाओं के कारणमहिलाओं का बड़ा समर्थन टीएमसी को मिला था। 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा और टीएमसी के बीच कड़ी टक्कर रही, लेकिन टीएमसी ने अपनी पकड़ बनाए रखी। यह सवाल अक्सर उठता है कि क्या ममता बनर्जी की नीतियों ने भाजपा को पश्चिम बंगाल में जगह बनाने का अवसर दिया? ममता बनर्जी का भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर काम करने का एक लंबा और महत्वपूर्ण इतिहास रहा है। कांग्रेस से अलग होने के बाद, ममता बनर्जी ने 1 जनवरी 1998 को टीएमसी का गठन किया। उसी वर्ष, उन्होंने भाजपा के साथ गठबंधन किया ताकि पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चा के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा बनाया जा सके।1999 के लोकसभा चुनावों के बाद, टीएमसी भी एनडीए का हिस्सा बनी और ममता बनर्जी को केंद्र सरकार में रेल मंत्री बनाया गया। वे इस पद पर 2001 तक रहीं। 2001 में तहलका रक्षा सौदे के खुलासे के बाद, उन्होंने एनडीए से नाता तोड़ लिया और इस्तीफा दे दिया। हालांकि, 2003 में वे फिर से NDA में शामिल हो गईं और 2004 के लोकसभा चुनाव तक वाजपेयी सरकार में कोयला और खान मंत्रालय संभाला। 2004 के लोकसभा चुनाव और 2006 के बंगाल विधानसभा चुनाव में भी टीएमसी और भाजपा ने गठबंधन में मिलकर चुनाव लड़ा था।2006 में विधानसभा चुनावों में हार के बाद, ममता बनर्जी ने धीरे-धीरे भाजपा से दूरी बना ली और बाद में कांग्रेस के साथ गठबंधन करके 2011 में बंगाल में सत्ता हासिल की, जिसके बाद उनके और भाजपा के रास्ते अलग हो गए। इस दौर में, ममता बनर्जी को भाजपा के साथ सहयोग करने से बंगाल में खुद को एक बड़ी नेता के रूप में स्थापित करने में मदद मिली। बंगाल की चुनावी राजनीति में लंबे समय से हिंसा और भय का तत्व भी एक निर्णायक कारक रहा है। इस बार भारत का निर्वाचन आयोग ने क़रीब ढाई लाख केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की अभूतपूर्व तैनाती कर मतदान प्रक्रिया को अपेक्षाकृत अधिक नियंत्रित और स्वतंत्र बनाने की कोशिश किया। नतीजा यह हुआ कि कथित स्थानीय प्रभाव और भय का वह ढांचा, जो पहले कई क्षेत्रों में निर्णायक माना जाता था, काफी हद तक निष्प्रभावी रहा और असली जनमत अधिक स्पष्ट रूप में सामने आया। इस चुनाव ने धारना बदल दिया कि सिर्फ पहचान की राजनीति, बंगाली अस्मिता या सड़क पर आक्रामक विरोध ही सत्ता बनाए रखने के लिए काफी नहीं है।अगर जनता को रोजगार, सुरक्षा और पारदर्शी शासन नहीं मिलता, तो वह सरकार बदल देगी। भाजपा ने करीब 8 फिसदी वोटों की बढ़ोतरी की, जबकि टीएमसी का वोट शेयर करीब 7 फिसदी गिरा। जिससे भाजपा 200 से ज्यादा सीटों पर प्रचंड जीत दर्ज कर पश्चिम बंगाल पर काबिज हो गई। यह भी सच्चाई है कि करीब सत्ताइस लाख मतदाता इस वजह से इस चुनाव में मतदान नहीं कर सके कि चुनाव आयोग और फ़िर सुप्रीम कोर्ट मतदान के पहले उनके मतदान के अधिकारी होने के मामले का फैसला नहीं कर सका।विपक्षी पार्टियों ने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। पश्चिम बंगाल में भाजपा का उभार किसी एक नेता या दल के कारण नहीं, बल्कि बदलते राजनीतिक समीकरणों, संगठनात्मक प्रयासों और सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों का परिणाम है। पश्चिम बंगाल की राजनीति आज भी परिवर्तनशील है, जहां हर चुनाव नए समीकरण और नई चुनौतियां लेकर आता है। ऐसे में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि राज्य की राजनीति में संघर्ष अभी जारी है और आने वाले समय में इसके कई नए आयाम देखने को मिलेंगे।

(बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ)

किराये की संतान नहीं, अपनत्व का पुनर्जागरण चाहिए

– ललित गर्ग

जीवन की सांझ जब अपने पूरे विस्तार के साथ उतरती है, तब मनुष्य को सबसे अधिक आवश्यकता दवाइयों या धन की नहीं, बल्कि अपनों के सान्निध्य और अपनों की होती है। यह वही समय होता है जब व्यक्ति अपने जीवन की संचित स्मृतियों, अनुभवों और भावनाओं को साझा करना चाहता है। लेकिन आज का कठोर यथार्थ यह है कि अनेक बुजुर्ग अपने ही घरों में अजनबी-से होकर रह गए हैं। विशाल मकानों में गूंजती खामोशी, सूने आंगन, और दरवाजे पर टकटकी लगाए प्रतीक्षा करती आंखें-यह सब मिलकर एक ऐसी त्रासदी रचते हैं, जो केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक विघटन का संकेत है। आज वैश्वीकरण, रोजगार की अनिवार्यता और बेहतर भविष्य की तलाश ने नई पीढ़ी को देश-विदेश के कोनों में बिखेर दिया है। यह स्वाभाविक भी है, लेकिन इस प्रक्रिया में जो सबसे बड़ी कीमत चुकाई जा रही है, वह है पारिवारिक संवेदना का क्षरण। अनेक बच्चे विदेश जाकर वहीं बस जाते हैं, अपने जीवन में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि माता-पिता केवल फोन कॉल और औपचारिक संदेशों तक सीमित रह जाते हैं। कुछ तो ऐसे भी हैं जो एक ही शहर में रहते हुए वर्षों तक माता-पिता की सुध नहीं लेते। यह केवल दूरी की समस्या नहीं, बल्कि भावनात्मक दूरी का संकट है।इसी संवेदनहीनता के वातावरण में एक नया और विचलित करने वाला प्रचलन उभरा है-किराये की संतान। कुछ कंपनियां और संस्थान अब ऐसे युवाओं या बच्चों को उपलब्ध करा रहे हैं, जो बुजुर्गों के साथ समय बिताते हैं, उनसे बातें करते हैं, उनके साथ सैर करते हैं, खेलते हैं और उनके अकेलेपन को कुछ हद तक कम करने का प्रयास करते हैं।

एग्री स्टैकः भारत की डिजिटल कृषि क्रांति

डॉ. देवेश चतुर्वेदी

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनी हुई है। इस क्षेत्र में कुल श्रमशक्ति का लगभग 46 प्रतिशत हिस्सा जुटा हुआ है। पिछले दशक में सरकार की ओर से उत्पादन/उत्पादकता बढ़ाने, फसलों के विविधीकरण, खेती की लागत में कमी लाने, कृषि उत्पादों की बेहतर कीमत अर्जित करने, जलवायु के अनुकूल ढालने और जोखिमों को कम करने की बहुआयामी रणनीति के जरिए किसानों की आय बढ़ाने के ठोस प्रयास किए गए हैं।

केन्द्र प्रायोजित या केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के जरिए किसानों को विभिन्न सेवाओं या लाभों की निर्बाध, पारदर्शी और कुशल आपूर्ति संघीय या राज्य स्तर की सरकार की प्राथमिकता है। कुल कृषि भूमि का स्वामित्व और उस भूमि पर बोई गई फसलों का इतिहास किसी भी योजना के लाभ के लिए किसी भी किसान (चाहे वह मालिक हो, पट्टेदार हो या फिर बटाईदार हो) की पात्रता के आकलन की जरूरी शर्त है। हालांकि, देश भर में भूमि से संबंधित प्रशासन में पायी जाने वाली व्यापक भिन्नताएं एक बड़ी चुनौती पेश करती हैं।

स्वामित्व और बुवाई से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों को संकलित करने वाले एक मानकीकृत किसान डेटाबेस के महत्व एवं जरूरत को पहचानते हुए, सरकार ने वर्ष 2024 में डिजिटल कृषि मिशन की शुरुआत की। किसानों के इस डेटाबेस को मजबूत सहमति तंत्र के साथ गतिशील रूप से अद्यतन किया जाता है। एग्री स्टैक, इस डिजिटल कृषि मिशन का एक प्रमुख स्तंभ है। यह अब इस मिशन के एक मौन लेकिन सशक्त परिवर्तनकारी स्तंभ के रूप में उभर रहा है। इसमें तीन विवरणी (रजिस्ट्री) खेत, किसान और बोई गई फसल - शामिल हैं। एग्री स्टैक भारत की कृषि से जुड़ी यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत का इशारा करता है। एक ऐसा अध्याय, जो माननीय प्रधानमंत्री के 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने के लक्ष्य के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है।

खेत वाली रजिस्ट्री में भौगोलिक संदर्भों के आधार पर कृषि भूखंडों का डेटाबेस शामिल होता है। इनमें से प्रत्येक भूखंड को एक अनूठी कृषि आईडी प्रदान की जाती है। दूसरी परत में, प्रत्येक भूमि के मालिक किसान को एक अनूठी फार्म आईडी प्रदान की जा रही है। इस आईडी में स्वामित्व वाली प्रत्येक भूखंड से संबंधित जरूरी जानकारियों के साथ-साथ सह-स्वामित्व के मामले में हिस्सेदारी का उल्लेख भी शामिल है। यह डेटा अधिकार अभिलेख (रिकॉर्ड ऑफ राइट्स) से गतिशील रूप से जुड़ा हुआ है ताकि विरासत, बिक्री आदि के कारण स्वामित्व में हुआ कोई भी बदलाव किसान रजिस्ट्री में अद्यतन हो जाए। तीसरी परत में प्रत्येक भूखंड पर बोई गई फसल का विवरण शामिल होता है। यह विवरण बुवाई पूरी होने के बाद प्रत्येक फसल के मौसम में किए गए डिजिटल/तकनीक आधारित फसल सर्वेक्षण के जरिए हासिल किया जाता है।

केन्द्र सरकार ने विभिन्न समझौता ज्ञापनों के जरिए 35 राज्यों और केन्द्र- शासित प्रदेशों के साथ साझेदारी की है। इस डिजिटल मिशन को केन्द्र और राज्य के बीच मजबूत सहयोग के जरिए कार्यान्वित किया जा रहा है। इसमें पूर्ण समावेशन सुनिश्चित करते हुए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

एग्री स्टैक एक संघीय डेटाबेस है जिसका स्वामित्व राज्यों/केन्द्र-शासित प्रदेशों के पास है, लेकिन केन्द्र सरकार सेवाओं की आपूर्ति और डेटा विश्लेषण के लिए इसका उपयोग कर सकती है। इसका उद्देश्य प्रत्येक किसान के लिए एक सत्यापित डिजिटल पहचान बनाना, उस पहचान को सटीक रूप से मैप किए गए भूखंड से जोड़ना और प्रत्येक मौसम में उगाई जाने वाली फसलों को दर्ज करना है। यह स्टैक नियमों पर आधारित एवं स्वचालित सेवा वितरण को विभिन्न योजनाओं और भौगोलिक क्षेत्रों में संभव बनाता है। इससे किसानों को बार-बार अपनी पहचान, भूमि स्वामित्व या फसल के विवरण को साबित करने की जरूरत नहीं होती है। इसमें गोपनीयता और डेटा संरक्षण संबंधी कानूनों के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुए किसानों से संबंधित जानकारी तक पहुंच एक मजबूत सहमति तंत्र के जरिए होती है।

कागजी रिकॉर्ड से डिजिटल आधार तक

दशकों तक, कृषि संबंधी प्रशासन कागजी अभिलेखों और मैनुअल सर्वेक्षण पर बहुत अधिक निर्भर रहा। यह अक्सर नागरिकों के लिए उत्पीड़न और भ्रष्टाचार का कारण बनता था। एग्री स्टैक इस पुरानी परंपरा से हटकर एक क्रांतिकारी बदलाव लाता है। किसानों की पहचान का डिजिटलीकरण करके और उन्हें भूमि एवं फसल के आंकड़ों से जोड़कर, यह भारतीय कृषि की एक विश्वसनीय और नई तस्वीर पेश करता है।

अब तक 9 करोड़ से अधिक किसान आईडी का सृजन इस सफर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ये डिजिटल आईडी एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में कार्य करते हैं। इससे किसानों को बार-बार सत्यापन के बिना कई सेवाओं का लाभ उठाने में मदद मिलती है और लेन-देन की लागत कम हो जाती है। सरकारी एजेंसियों की दृष्टि से, ये आईडी लाभार्थियों की पहचान में होने वाली त्रुटियों को कम करते हैं और लाभ का सही लाभार्थियों तक पहुंचना सुनिश्चित करने में सहायक साबित होते हैं।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियां भरा रहने वाला है। नए वाहन खरीदने की। आपके आस-पास के कुछ लोग आपके विरोधी भी बन सकते हैं जिनसे आपको सतर्क रहने की सख्त जरूरत है।

वृष राशि- आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज किसी खास व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी। विदेश जाने की इच्छा रख रहे लोगों को आज बढ़िया अवसर मौका मिल सकता है। आज आप अपने पैसे सोच समझ कर खर्च करें ।अपनी आय और व्यय के लिए एक बजट बनाकर चलें, तभी आपको भविष्य के लिए धन संचय करने में आसानी होगी है।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपको लाभ होगा। आज थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बीताएंगे।आज शाम को माता जी से अपने भविष्य को लेकर विचार-विमर्श करेंगे, आपको माता जी का साथ मिलने से खुशी होगी। आज आपके मन में बात चलेगी, जिससे उलझन महसूस हो सकती है।

कर्क राशि- आज के दिन आपको बहु प्रतीक्षित परिणाम प्राप्त होंगे। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ होने की संभावना है। आज आप अपनी संतान के साथ कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं। उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। घर के अन्य सदस्यों के साथ भी आपकी अच्छी बॉन्डिंग बनेगी।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है। आज आपको बेकार की उलझन में पड़ने से बचने की जरूरत है। जिंदगी में चल रही भागदौड़ के बीच आज आपको अपने लिए समय निकालना थोड़ा मुश्किल हो सकता है

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। आज आपका पुराना मित्र आपसे मिलने आएगा ,जिनसे मिलकर आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे। परिवार वालों के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। भाई, बहनों का सहयोग मिलेगा। किसी दूर के रिश्तेदार के द्वारा शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। आज आप कोई कम्प्यूटर कोर्स सीखने का मन बनायेंगे। जमीन से जुड़े किसी मामले में, कोर्ट का फैसला आज आपके पक्ष में आयेगा।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी आएंगी, जिसे आप पूरा करेंगे। माता-पिता से आप अपने मन की बातों को साझा करेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने परिवार से मिलने का मौका मिलेगा।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। जीवनसाथी से किसी काम को लेकर विचार विमर्श करेंगे। आप अपने मित्रों के साथ किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। आपके बिजनेस में पिता का पूरा सहयोग मिलेगा। अपनी ऊर्जा से आप बहुत कुछ हासिल करेंगे बस अपनी काबिलीयत पर भरोसा करें।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे और व्यवस्थित रहेंगे तो आपके काम जल्दी पूरे होंगे। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार व्यक्ति की मदद से सुलझा लेंगे। आज आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखने बहुत जरूरत है। ला के स्टूडेंट्स के लिए दिन खास रहने वाला है, किसी बड़े वकील से मिलने का मौका मिलेगा।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। रूटीन मे डेली मॉर्निंग वाक करने की योजना बनाएंगे जिससे आप काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। पुराना मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है आप उसे निराश नहीं करेंगे अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता अवश्य करेंगे। आज आपका ऊर्जा स्तर ऊंचा रहेगा।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज परिवार के साथ किसी धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने का सौभाग्य मिलेगा। किसी बचपन के मित्र से बहुत दिनों बाद मुलाकात होगी, जिनसे मिलकर आपको खुशी होगी।

मीन राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस में कार्यरत लोगों को तरक्की मिलने से उन्हें काफी खुशी होगी ।अपने जीवनसाथी का नया काम शुरू करवाएंगे साथ ही आज कुछ बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है। घर में नन्हे मेहमान के आने की खुशखबरी मिलेगी। इस राशि की जो महिलाएं बिजनेस कर रही हैं उनका दिन व्यस्तता से भरा होगा, लेकिन शाम का समय अपनी फैमिली के साथ बिताएंगी।

छत्तीसगढ़ की जड़ी-बूटियों से महकेगा नारी शक्ति का स्वावलंबन

धनंजय राठौर,अशोक चंद्रवंशी

छत्तीसगढ़ के वनांचल की गोद में छिपी अमूल्य औषधि संपदा अब केवल स्वास्थ्य का आधार नहीं, बल्कि प्रदेश की नारी शक्ति के आर्थिक स्वावलंबन का नया अध्याय बन रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन की जिस परिकल्पना को साकार कर रही है, उसे वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड धरातल पर उतार रहा है। गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मूसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा, और शतावरी जैसी महत्वपूर्ण औषधीय वनस्पतियों से अर्क और उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं।

पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक पहचान

वनांचल में बिखरे पारंपरिक ज्ञान को महज एक स्मृति न रहने देने के संकल्प के साथ बोर्ड ने इसे वैज्ञानिक पद्धति से जोड़ने का निर्णय लिया है। इसके तहत उन स्थानीय वैद्यों और जानकारों का चिन्हांकन शुरू किया गया है, जिनके पास असाध्य रोगों के उपचार का अद्भुत ज्ञान है। बोर्ड का प्रयास इन महिलाओं को एक उचित मंच प्रदान करना है, ताकि उनकी विशेषज्ञता का लाभ समाज को मिले और वे स्वयं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ कर सकें। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि उस विरासत का सम्मान है जिसे ग्रामीण महिलाओं ने सदियों से सहेजकर रखा है। छत्तीसगढ़ में पारंपरिक जड़ी-बूटी और जनजातीय ज्ञान को अब आधुनिक विज्ञान के माध्यम से नई पहचान मिल रही है। राज्य के वनों में छिपे औषधीय खजाने को वैज्ञानिक आधार पर प्रमाणित कर, उसे आजीविका के साधन के रूप में विकसित किया जा रहा है।

संग्रहण से प्रसंस्करण तकर- उद्यमिता की नई उड़ान

आर्थिक मोर्चे पर सबसे बड़ा बदलाव तब दिखाई दे रहा है, जब जड़ी-बूटियों का संग्रहण करने वाली महिलाएं अब संग्राहक से आगे बढ़कर निर्माता की भूमिका में नजर आ रही हैं। बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, महिला स्व-सहायता समूहों को औषधि प्रसंस्करण (Processing) के उन्नत गुर सिखाए जा रहे हैं। यह पहल न केवल औषधीय पौधों का संरक्षण कर रही है, बल्कि वनवासियों और लघु वन उपज संग्राहकों की आय में वृद्धि करके उन्हें आत्मनिर्भर बना रही है। छत्तीसगढ़ में 1500 से अधिक सक्रिय वैद्यों के ज्ञान को सहेजने और जड़ी-बूटियों के विपणन के लिए छत्तीसगढ़ जनजातीय स्थानीय स्वास्थ्य परंपराएं और औषधीय पादप बोर्ड सक्रिय रूप से काम कर रहा है। यह संस्था हर्बल उत्पादों की खेती, मूल्य संवर्धन, और मार्केटिंग में तकनीकी सहायता और सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करती है।

मूल्य संवर्धन

छत्तीसगढ़ में जड़ी-बूटी मूल्य संवर्धन एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से राज्य के समृद्ध वन संसाधनों को वैज्ञानिक तरीके से संसाधित करके उनके आर्थिक मूल्य को बढ़ाया जा रहा है। राज्य सरकार छत्तीसगढ़ हर्बल्स ब्रांड के तहत इन उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। जब ये महिलाएं वनों से प्राप्त कच्ची सामग्री को साफ कर, सुखाकर उसे चूर्ण, अर्क या तेल के रूप में परिवर्तित करती हैं, तो उत्पाद की कीमत और गुणवत्ता कई गुना बढ़ जाती है। इस मूल्य संवर्धन का सीधा आर्थिक लाभ उनके बैंक खातों तक पहुँच रहा है, जिससे बिचौलियों का वर्चस्व पूरी तरह समाप्त हो गया है। गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मूसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा, और शतावरी जैसी महत्वपूर्ण औषधीय वनस्पतियों से अर्क और उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। 65 से अधिक लघु वन उपज प्रजातियों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर खरीदी और उनका प्रसंस्करण किया जा रहा है। यह पहल छत्तीसगढ़ को एक प्रमुख हर्बल स्टेट के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो परंपरा और आधुनिक तकनीक का संगम है।

छत्तीसगढ़ हर्बल्स को वैश्विक पहचान

छत्तीसगढ़, जिसे बूटिगढ़ भी कहा जाता है, अपने घने जंगलों, विशेषकर बस्तर में 160 से अधिक प्रकार की दुर्लभ जड़ी-बूटियों का प्राकृतिक खजाना है। यहाँ की मिट्टी में अश्वगंधा, सर्पगंधा, गोक्षुरा (गोखरू), कुटकी और तिखुर जैसी औषधियां पाई जाती हैं, जो स्वास्थ्य और जीवन शक्ति के लिए प्रसिद्ध हैं । बाजार की चुनौतियों को अवसर में बदलते हुए बोर्ड ने विपणन (Marketing) तंत्र को पारदर्शी बनाया है। प्रदेश के छत्तीसगढ़ हर्बल्स ब्रांड को सशक्त करने के लिए प्रदर्शनियों और रिटेल आउटलेट्स के माध्यम से इन उत्पादों को सीधे शहरी उपभोक्ताओं तक पहुँचाया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के व्होकल फार लोकल और मुख्यमंत्री के लखपति दीदी अभियान को सफल बनाने में यह रणनीति संजीवनी का कार्य कर रही है।

नर्सरी प्रबंधन और स्थानीय रोजगार

जड़ी बूटियों को किचिन गार्डन, होम गार्डन में खिड़की, बालकनी, टेरिस पर गमलों, या अन्य कंटेनरों में कभी भी उगाया जा सकता है। कंटेनर गार्डनिंग या ग्रो बैग में जड़ी-बूटियां उगाने का एक फायदा यह भी है कि जड़ी बूटी को उसकी जरूरत के आधार पर मिट्टी, पोषक तत्व, सूर्य प्रकाश और नमी के स्तर को नियंत्रित किया जा सकता है तथा गमलों में उगाई गई प्रत्येक जड़ी-बूटी (हर्ब) को उसकी आदर्श स्थितियाँ दे सकते हैं। पर्यावरण संरक्षण और आजीविका के बीच संतुलन बनाने के उद्देश्य से औषधीय पौधों की मदर नर्सरी विकसित करने की जिम्मेदारी महिला समूहों को सौंपी जा रही है। इससे दुर्लभ जड़ी-बूटियों की प्रजातियों को विलुप्त होने से बचाया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर महिलाओं के लिए बारहमासी रोजगार के द्वार खुल गए हैं, जिससे वनांचल से होने वाले पलायन पर भी अंकुश लगा है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार 06 मई 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद हलचल तेज, 10 मई से पहले हो सकता है नई सरकार का शपथग्रहण

कोलकाता,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी की बड़ी जीत के बाद सरकार गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 10 मई से पहले आयोजित किया जा सकता है। 9 मई को रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती होने के कारण इस तारीख को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, सरकार गठन की रणनीति तय करने के लिए बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं की दिल्ली में एक अहम बैठक होगी। इस बैठक में शुभेंदु अधिकारी, समिक भट्टाचार्य, भूपेंद्र यादव, सुनील बंसल, बिप्लब देब और अमित मालवीय शामिल हो सकते हैं। ये नेता अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ मिलकर मंत्रिमंडल गठन और राज्य की आगे की राजनीतिक रणनीति पर चर्चा करेंगे। बताया जा रहा है कि यह बैठक आज देर रात या कल आयोजित हो सकती है।

सूत्रों का यह भी कहना है कि बंगाल की संस्कृति और परंपरा को ध्यान में रखते हुए शपथ ग्रहण समारोह के समय और तिथि पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 9 मई, जो टैगोर जयंती का दिन है, नई सरकार के गठन के लिए एक प्रतीकात्मक और महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है।

साइबर क्राइम का शिकार हुए ये प्रसिद्ध टीवी अभिनेता, खाते से उड़ाई इतनी रकम

मुंबई ,(आरएनएस)। मुंबई में साइबर अपराध के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसी कड़ी में अब प्रसिद्ध टीवी अभिनेता राहुल सिंह तोमर भी इस ठगी का शिकार हो गए हैं। ठगों ने बड़ी चालाकी से अभिनेता को निशाना बनाया और उनके बैंक अकाउंट से 85 हजार रुपए निकाल लिए। हालांकि, समय रहते अकाउंट को ब्लॉक कर देने से एक बड़ी रकम बचा ली गई। इस मामले में मुंबई के अंबोली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया गया है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, 32 वर्षीय राहुल सिंह तोमर मूल रूप से मध्य प्रदेश के पीथमपुर के रहने वाले हैं और वर्तमान में मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित अंबोली इलाके में रह रहे हैं। वे लंबे समय से टीवी इंडस्ट्री में सक्रिय हैं और कई लोकप्रिय सीरियल्स और वेब सीरीज में काम कर चुके हैं। घटना उस समय हुई, जब उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आया।कॉल करने वाले व्यक्ति ने उनसे उनके नाम, पते और पेशे से जुड़ी जानकारी ली। चूंकि राहुल अभिनय क्षेत्र से जुड़े हैं, इसलिए उन्होंने इसे काम से जुड़ा कॉल समझा और बिना किसी संदेह के सामान्य जानकारी साझा कर दी। इसके बाद महज आधे घंटे के भीतर राहुल के मोबाइल पर बैंक अकाउंट से 85,000 रुपए ट्रांसफर होने का मैसेज आया।यह रकम 'डोंगरी सुप्रिया' नाम के एक व्यक्ति के यूपीआई आईडी पर भेजी गई थी। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि अभिनेता ने न तो कोई ट्रांजेक्शन किया था और न ही किसी के साथ अपना ओटीपी या यूपीआई पिन साझा किया था।स्थिति की गंभीरता को समझते हुए राहुल ने तुरंत अपने बैंक के कस्टमर केयर से संपर्क किया और अपना अकाउंट को ब्लॉक करवाया। साथ ही उन्होंने साइबर फ्रॉड हेल्पलाइन 1930 पर भी शिकायत दर्ज कराई।

पीएम मोदी का 'मैजिक', 22 राज्यों में सरकार और पूरे देश में 2013 के मुकाबले 3 गुना से ज्यादा पार्टी के विधायक

नई दिल्ली,(आरएनएस)। 13 सितंबर 2013 को हुई भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर नरेंद्र मोदी का नाम घोषित किया गया। तब भाजपा या एनडीए की देश के कुछ गिने-चुने राज्यों में ही सरकार थी। देश के कई राज्य तो ऐसे थे, जहां भाजपा की जमीनी पकड़ भी शून्य थी। लेकिन, आज देश के 31 में से 22 राज्यों में भाजपा या एनडीए गठबंधन की सरकार है। यानी 22 राज्यों में सत्ता के शिखर पर भाजपा या एनडीए के नेता सीएम के तौर पर काबिज हैं। भाजपा को यह उपलब्धि 2014 के बाद हासिल हुई है और इसमें सबसे बड़ा योगदान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का है।

भाजपा ने देश के कई ऐसे राज्यों में पीएम मोदी के नेतृत्व में राजनीतिक जमीन मजबूत की, जिसके बारे में वह कभी सोचती भी नहीं थी। हिंदी पट्टी के राज्यों के अलावा ओडिशा और अब पश्चिम बंगाल ये दो ऐसे राज्य रहे जहां की सत्ता हासिल करने के लिए भाजपा को खूब मेहनत करनी पड़ी। ओडिशा में तो भाजपा ने सत्ता हासिल की है। अब भाजपा ने ममता बनर्जी को बंगाल की सत्ता से विदाई दे दी है। यह एक ऐसा राज्य है जहां भाजपा को अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करने में कई कार्यकर्ताओं के जीवन की आहुति का दर्द बर्दाश्त करना पड़ा।अभी भारत का पूरा का पूरा नक्शा भगवा नजर आने लगा है। सुदूर दक्षिण से उत्तर तक और पूरब से पश्चिम तक हर तरफ भाजपा का परचम लहरा रहा है।भाजपा और एनडीए की उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, गोवा, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मणिपुर, बिहार, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, सिक्किम, मेघालय, नागालैंड और पुडुचेरी में सरकार है।

(0नई दिल्ली में, वकीलों ने हाई कोर्ट में बार काउंसिल ऑफ़ दिल्ली के चुनाव में कथित अनियमितताओं के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन किया।

सीएम पद की दौड़ में केसी वेणुगोपाल भी, सीएलपी बैठक के लिए कांग्रेस जल्द ऑब्जर्वर कर सकती है नियुक्त

तिरुवनंतपुरम,(आरएनएस)। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में सियासी हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस पार्टी किसी भी वक्त पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर सकती है, जो मुख्यमंत्री के चयन को लेकर कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक आयोजित कराएंगे। मुख्यमंत्री पद की दौड़ में फिलहाल तीन बड़े नाम सबसे आगे हैं, जिसमें केसी वेणुगोपाल, वी.डी. सतीशन और रमेश चेन्निथला के नाम शामिल हैं। पार्टी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक, जिन्हें केरल चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, गुरुवार को तिरुवनंतपुरम पहुंचेंगे। माना जा रहा है कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) सरकार गठन से पहले सहयोगी दलों की राय भी ले सकती है, ताकि गठबंधन में संतुलन बनाए रखा जा सके। इस बीच केसी वेणुगोपाल मंगलवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र अलप्पुझा में हैं और शाम तक दिल्ली रवाना होने की संभावना है। 4 मई को आए चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस नेताओं ने संयुक्त लोकतांत्रिक गठबंधन (यूडीएफ) की स्पष्ट बढ़त का जोरदार स्वागत किया। पार्टी ने इसे यूडीएफ की एकता की जीत बताया और दावा किया कि दक्षिण भारत में भारतीय जनता पार्टी अपनी प्रासंगिकता खो चुकी है।

तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए टीवीके को कम से कम 10 सीटों की जरूरत, गठबंधन पर सबकी नजर

चेन्नई,(आरएनएस)। तमिलनाडु की राजनीति में इस बार बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। करीब छह दशक से जारी द्रविड़ दलों के दबदबे को तोड़ते हुए अभिनेता से नेता बने सी. जोसेफ विजय की पार्टी, टीवीके, 2026 विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। पहली बार चुनाव लड़ने उतरी इस पार्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य की राजनीति में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है।

हालांकि, इस बड़ी जीत के बावजूद टीवीके अपने दम पर सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत से थोड़ा पीछे रह गई है। 234 सदस्यीय विधानसभा में स्पष्ट बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत होती है, जबकि टीवीके फिलहाल 108 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। यानी पार्टी को बहुमत से अभी भी 10 सीटों की कमी है।

स्थिति को थोड़ा और जटिल बनाता है यह तथ्य कि विजय ने दो सीटों (पेरंबूर और तिरुचि ईस्ट) से चुनाव जीता है। नियमों के अनुसार उन्हें एक सीट छोड़नी होगी, जिससे पार्टी की संख्या एक और कम हो जाएगी। इसके अलावा, सरकार बनने पर एक विधायक को स्पीकर बनाया जाएगा। स्पीकर सामान्य स्थिति में मतदान नहीं करता, जिससे सदन में पार्टी की प्रभावी संख्या और घट जाती है।

इन सभी समीकरणों को देखते हुए टीवीके को विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए कम से कम 12 अतिरिक्त विधायकों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में छोटे दल और गठबंधन अब 'किंगमेकर' की भूमिका में आ गए हैं।

चुनाव परिणामों के अनुसार, डीएमके गठबंधन को बिखरा हुआ जनादेश मिला

है। कांग्रेस ने 6 सीटें जीती हैं, जबकि वाम दल सीपीआई और सीपीआई (एम) को 2-2 सीटें मिली हैं। इसके अलावा इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और विदुथलाई चिरुथिगल काची जैसे दलों को भी प्रतिनिधित्व मिला है।

वहीं, एआईएडीएमके गठबंधन भी सीमित संख्या में सीटें हासिल कर पाया है। इस गठबंधन में शामिल पीएमके और भाजपा जैसी पार्टियों ने कुछ सीटें जीती हैं। अगर टीवीके इन दलों में से कुछ का भी समर्थन हासिल कर लेती है, तो वह आसानी से बहुमत का आंकड़ा पार कर सकती है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ, मुंबई स्थित सह्याद्री गेस्ट हाउस में उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार को बारामती विधानसभा उपचुनाव में उनकी जीत पर बधाई दी।

नूंह में भीषण सड़क हादसा : एक्सप्रेसवे पर बिछ गई लाशें, जालौन के चौकी इंचार्ज समेत पांच पुलिसकर्मियों की मौत

नई दिल्ली(आरएनएस)। हरियाणा के केएमपी एक्सप्रेसवे पर धुलावट टोल प्लाजा के पास मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश पुलिस के पांच जवानों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में जालौन जिले में तैनात एक चौकी इंचार्ज भी शामिल हैं। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए।तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 10 बजे पलवल की ओर से आ रही एक स्कॉर्पियो कार ने ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित हो गया और सामने से आ रही दूसरी गाड़ी से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

क्या अमीरों से भी कराएंगे थाने की सफाई?' दलितों-आदिवासियों को जमानत देने की अजीब शर्त पर भड़का एससी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक बेहद सख्त कदम उठाते हुए ओडिशा की विभिन्न अदालतों और हाईकोर्ट के उन विवादित आदेशों को रद्द कर दिया है, जिनमें आरोपियों को जमानत देने के एवज में 'पुलिस स्टेशनों की सफाई' करने की अजीबोगरीब शर्त रखी गई थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इन शर्तों को मानवाधिकारों का सीधा उल्लंघन बताते हुए कड़ी फटकार लगाई है। अदालत के इस दखल से उन दलित और आदिवासी समुदाय के लोगों को बड़ी राहत मिली है, जिन्हें इस अमानवीय शर्त का सामना करना पड़ रहा था।

आखिर क्या था पूरा मामला?

पिछले कुछ समय से कई मीडिया रिपोर्टों में यह चौंकाने वाला खुलासा हो रहा था कि ओडिशा की अदालतें और स्वयं हाईकोर्ट जमानत देते समय कुछ आरोपियों पर बेहद अटपटी शर्तें थोप रहे हैं। बीते 6 महीनों में ही ओडिशा हाईकोर्ट ने करीब 50 ऐसे आदेश पारित किए थे। इनमें से अधिकांश मामले राज्य में खनन-विरोधी प्रदर्शनों में शामिल दलितों और आदिवासियों से जुड़े थे। लक्ष्मण नायक और अन्य मामलों में तो अदालत ने आरोपियों को जमानत के लिए दो महीने तक थाने की सफाई करने जैसी अभूतपूर्व शर्त लगा दी थी। इसी मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया था।

'अमीरों के लिए क्यों नहीं होती ऐसी शर्तें?'

इस मामले की सुनवाई के दौरान पीठ ने ओडिशा न्यायपालिका के रवैये पर गहरी निराशा व्यक्त की। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि साधन संपन्न और अमीर लोगों को जमानत देते समय अदालतें

कभी ऐसी शर्तें नहीं लगाती हैं। यह रवैया समाज के हाशिए पर रहने वाले समुदायों के खिलाफ न्यायपालिका के भीतर छिपे जातिगत पूर्वाग्रह को दर्शाता है। सीजेआई ने स्पष्ट कहा कि यह शर्त इतनी क्रूर और घृणित है कि यह ओडिशा न्यायपालिका को 'जाति-आधारित' साबित कर सकती है।

'हम आजादी का ऐसा कर्ज चुका रहे हैं'

सीजेआई सूर्यकांत ने अदालतों की कार्यप्रणाली पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि साल 2026 में न्यायपालिका से ऐसे व्यवहार की बिल्कुल उम्मीद नहीं की जाती है। उन्होंने कहा कि हमने स्वतंत्रता के 76 साल बिता लिए हैं और क्या हम इस तरह से उसका कर्ज चुका रहे हैं। सीजेआई ने याद दिलाया कि हमारे संविधान ने लोगों को 'जातिविहीन समाज' और 'समानता' का सबसे अनमोल उपहार दिया है। ऐसे में न्यायपालिका से इन अधिकारों की रक्षा की उम्मीद की जाती है, न कि ऐसे आदेशों से न्यायपालिका की छवि को खराब करने की।

पश्चिम बंगाल में एंटी-इंकंबेंसी की लहर, टीएमसी के 35 में से 22 मंत्री हारे

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। राज्य की सत्ताधारी सरकार के कई बड़े चेहरे इस चुनाव में हार गए, जिसे गहरी एंटी-इंकंबेंसी का संकेत माना जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार, चुनाव लड़ने वाले 35 मंत्रियों में से 22 मंत्री अपनी सीट नहीं बचा पाए। इनमें खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी शामिल हैं, जो अपनी ही सीट भवानीपुर (159) से हार गईं। यानी करीब 63 प्रतिशत मंत्री चुनाव हार गए, जो साफ तौर पर राज्य की जनता द्वारा सरकार के नेतृत्व को खारिज करने का संकेत देता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मतदाताओं ने केवल उम्मीदवारों को नहीं, बल्कि टीएमसी के पूरे नेतृत्व और उसकी कार्यशैली को नकार दिया है। हारने वाले मंत्रियों में कई अहम विभागों को संभालने वाले नेता शामिल हैं। इनमें महिला एवं बाल विकास, उद्योग, आवास, बिजली, शिक्षा, परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों के मंत्री भी अपनी सीटें नहीं बचा सके। इसे टीएमसी सरकार के शासन मॉडल के खिलाफ जनता की व्यापक नाराजगी के रूप में देखा जा रहा है।

चिन्नी कुबाहेड़ी हत्याकांड में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, मास्टरमाइंड एडीजीपी की भाभी गिरफ्तार; इस वजह से रची थी साजिश

चंडीगढ़,(आरएनएस)। चंडीगढ़ के सेक्टर-9 में प्रॉपर्टी डीलर चमनप्रीत सिंह उर्फ चिन्नी कुबाहेड़ी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए मास्टरमाइंड अमरीन राय को गिरफ्तार कर लिया है। अमरीन, जो पंजाब के एक एडीजीपी की भाभी बताई जा रही है, सेक्टर-35 चंडीगढ़ की निवासी है।

पुलिस जांच के अनुसार, हत्या की वजह प्रॉपर्टी लेनदेन को लेकर विवाद था। अमरीन का आरोप था कि चमनप्रीत ने न्यू चंडीगढ़ में प्रॉपर्टी के सौदे में उसके साथ धोखाधड़ी की, महंगे दाम पर जमीन बेची और कब्जा भी नहीं दिलवाया, जिससे उसे आर्थिक नुकसान हुआ। इसी रंजिश में उसने हत्या की साजिश रची।जांच में सामने आया कि अमरीन ने गैंगस्टर लकी पाटियाल के जरिए कॉन्ट्रैक्ट किलिंग की योजना बनाई। इस साजिश में मोहाली के गांव कैम्बाला निवासी प्रॉपर्टी डीलर हर्षप्रीत सिंह ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। उसने एन्क्रिप्टेड ऐप के माध्यम से अमरीन और गैंगस्टर के बीच संपर्क करवाया। हत्या के बदले बड़ी रकम देने का वादा किया गया था।29 अप्रैल 2026 को क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली, जिसके आधार पर मलोया स्थित सत्संग भवन के पास नाकाबंदी की गई। इस दौरान संदिग्ध गतिविधियों के चलते हर्षप्रीत सिंह (27) को रोका गया। तलाशी में उसके पास से एक विदेशी .45 बोर पिस्टल और दो कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में खुलासा हुआ कि बरामद पिस्टल अमरीन के नाम पर रजिस्टर्ड है, जिससे उसके शामिल होने की पुष्टि हुई। हर्षप्रीत के बयान के बाद पुलिस ने मामले को कॉन्ट्रैक्ट किलिंग से जोड़कर जांच तेज कर दी।

बंगाल विजय का जश्न, CM रेखा गुप्ता ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन संग काली मंदिर में टेका मत्था

विकास और राष्ट्रवाद के आगे तुष्टिकरण की राजनीति ढेर : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ सीआर पार्क स्थित मां काली मंदिर में पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया। मां काली के चरणों में शीश नवाने के बाद मुख्यमंत्री ने इस जीत को भारतीय राजनीति का एक निर्णायक मोड़ बताया। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक भगवा शान से लहरा रहा है। यह जीत इस बात का स्पष्ट संकेत है कि देश की जनता का विश्वास विकास और राष्ट्रवाद की राजनीति में ही है। मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उल्लेख करते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिन राजनीतिक दलों ने संसद में इस बिल का विरोध किया था, बंगाल की माताओं-बहनों ने उन्हें अपने वोट की चोट से मुंहतोड़ जवाब दिया है। बंगाल की महिलाओं ने भय, आतंक और तुष्टिकरण की राजनीति को नकारकर यह सिद्ध कर दिया है कि नारी शक्ति अब अपने सम्मान और अधिकारों के लिए किसी भी दमनकारी शक्ति से टकराने को तैयार है। उन्होंने कहा कि बंगाल में यह जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण की नीति की जीत है। भय, आतंक और अत्याचार के वातावरण के बावजूद बंगाल की महिलाओं ने निर्भीक होकर मतदान किया और लोकतंत्र को सशक्त बनाते हुए सुशासन की सरकार स्थापित की। आज की यह जीत उन अनगिनत कार्यकर्ताओं के संघर्ष का परिणाम है, जिन्होंने बंगाल की मिट्टी को अपने पसीने और रक्त से सींचा है। यह जीत लोकतंत्र के प्रति अटूट विश्वास की जीत है। भय के वातावरण के बावजूद बंगाल की जनता ने लोकतंत्र को सशक्त बनाते हुए सुशासन की सरकार चुनने का जो साहस दिखाया है, वह पूरे देश के लिए प्रेरणा है। इस अवसर पर भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, नई दिल्ली लोकसभा सीट से सांसद सुश्री बांसुरी स्वराज और ग्रेटर कैलाश से विधायक श्रीमती शिखा राय भी उपस्थित थीं।

एनएचएआई इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने मामले में नितेश राणे को मिली बड़ी राहत, बॉम्बे हाईकोर्ट ने सजा पर लगाई रोक

नई दिल्ली, (आरएनएस)। बॉम्बे हाईकोर्ट की कोल्हापुर बेंच ने 2019 में NHAI इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने के मामले में दोषी नितेश राणे की 1 महीने की सजा पर रोक लगा दी है। स्थानीय अदालत ने उन्हें 27 अप्रैल 2026 को दोषी ठहराया था, जिसके खिलाफ उन्होंने अपील की थी। अब उन्हें तत्काल जेल नहीं जाना होगा। निचली अदालत ने देवेंद्र फडणवीस सरकार में मंत्री नितेश राणे को पिछले महीने झएक महीने सजा सुनाई थी. लेकिन राणे फैसले के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट चले गए और यहां के कोल्हापुर बेंच ने अदालत के इस फैसले पर रोक लगा दी. महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे को जेल नहीं जाना होगा. बॉम्बे हाईकोर्ट की कोल्हापुर बेंच ने राणे की सजा पर अमल पर रोक लगा दी है. साल 2019 में NHAI के इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने के मामले में पिछले महीने स्थानीय अदालत ने 1 महीने की जेल की सजा सुनाई थी.4 जुलाई 2019 को मुंबई-गोवा हाईवे के इंजीनियर प्रकाश शेडेकर पर कीचड़ फेंकने और जबरदस्ती चलाने का मामला। सिंधुदुर्ग जिला अदालत ने 1 महीने के साधारण कारावास और 1 लाख के जुर्माने की सजा सुनाई थी। उच्च न्यायालय की कोल्हापुर सर्किट बेंच ने इस सजा पर अंतरिम रोक लगा दी है। उच्च न्यायालय की कोल्हापुर सर्किट बेंच ने इस सजा पर अंतरिम रोक लगा दी है। घटना के समय नितेश राणे विधायक थे।

रेड ड्रेस में कियारा आडवाणी का दिखा कातिलाना अंदाजा, फिल्म की स्क्रीनिंग में लूट ली महफिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी एक बार फिर अपने लुक को लेकर चर्चा में है. हाल ही में वो मुंबई में द डेविल वेयर्स प्रादा 2 की स्क्रीनिंग में नजर आई थीं, जिसमें उनके ग्लैमरस और एलिगेंट लुक ने हर किसी का ध्यान खींच लिया. इसी बीच कियारा ने कई तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है, जिसमें वो बहुत ही खूबसूरत लग रही हैं. तो आइए उनके लुक पर एक नजर डालते है.

कियारा का रेड बॉडी-हगिंग गाउन बहुत एलिगेंट है, जिसका हाई नेक डिजाइन उन्हें ग्लैमरस बना रहा है. ये ड्रेस उनकी फिगर को खूबसूरती से हाइलाइट कर रही हैं. उनके बाल सॉफ्ट वेव्स में खुले हुए हैं, जो मिडल पार्टिंग के साथ स्टाइल किए गए हैं. हेयरस्टाइल बहुत स्मूद और शाइनी लग रहा है, जो उनके पूरे लुक को क्लासी टच देता है. कियारा ने न्यूड और ग्लोइंग मेकअप रखा है, जिसमें सॉफ्ट आईशैडो, डिफाइंड ब्रोज और न्यूड लिपस्टिक है. उन्होंने मिनिमल ज्वेलरी पहनी है, जिसमें बड़े गोल्डन स्टेटमेंट ईयररिंग्स और हाथ में कुछ ब्रेसलेट्स दिखाई दे रहे हैं. ये एक्सेसरीज़ उनके रेड ड्रेस के साथ परफेक्ट कॉन्ट्रास्ट बनाते हैं. कियारा ने मैचिंग रेड हाई हील्स पहनी हैं, जो उनके आउटफिट के साथ बिल्कुल मैच कर रही हैं. हील्स का डिजाइन शाइनी है, जो उनके पूरे लुक को और भी स्टाइलिश बना रहा है. बता दें कि कियारा जल्द ही साउथ सुपरस्टार यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरीटेल ग्रोन अप्स में नजर आएंगी. ये फिल्म 4 जून को रिलीज होने वाली थी, हालांकि मेकर्स ने इसे पोस्टपोन कर दिया है. अभी इसकी दूसरी तारीख सामने नहीं आई है. इस फिल्म में उनके साथ यश, रुक्मिणी वसंत, हुमा कुरैशी, नयनतारा और तारा सुतारिया जैसी कलाकार दिखाई देंगी.

राजा शिवाजी ने तीसरे दिन काटा गदर, तूफानी कमाई के आगे न टिक पाई ये फिल्में, एक दिन सिमटने की कगार पर

रितेश देशमुख की मच अवेटेड फिल्म 'राजा शिवाजी' इस 1 मई को सिनेमाघरों में मराठी और हिंदी भाषा में रिलीज हुई थी. इस फिल्म में रितेश ने न केवल लीड रोल प्ले किया बल्कि इसे निर्देशित भी किया है. संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री और जेनेलिया डिसूजा जैसे दमदार कलाकारों से सजी यह फिल्म भव्यता और स्टार पावर का बेहतरीन मिश्रण है. इस फिल्म में सुपरस्टार सलमान खान का कैमियो भी काफी इम्प्रेसिव है.

इन्हीं सब कारणों से दर्शक इस फिल्म को देखने के लिए सिनेमाघरों में खींचे चले आ रहे हैं. हालांकि शानदार ओपनिंग के बाद दूसरे दिन यानी शनिवार को इसकी कमाई में मामूली गिरावट दर्ज की गई लेकिन तीसरे दिन यानी रविवार की छुट्टी का इसे फायदा मिला है. जानते हैं 'राजा शिवाजी' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे को कितना कलेक्शन किया है?

'राजा शिवाजी' सिनेमाघरों में मौजूद तमाम नई और कुछ हफ्तों पुरानी फिल्मों के बीच दर्शकों की पहली पसंद बन गई है. इस फिल्म का रिलीज से पहले ही काफी बज क्रिएट हो गया था और सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद इसे क्रिटिक्स और दर्शकों से शानदार रिव्यू मिला और इसी के साथ इसने पहले दिन 11.35 करोड़ का कलेक्शन कर डाला. वहीं दूसरे दिन यानी शनिवार को इस फिल्म ने 10.55 करोड़ की कमाई की.

वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 12 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ 'राजा शिवाजी' की तीन दिनों की कुल कमाई अब 33.90 करोड़ रुपये हो गई है.

राजा शिवाजी' ने भारत में रिलीज के तीन दिनों में कुल 33 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन कर लिया है और ये पहले ही मुक्ता बर्वे और नम्रता सांभराव की फिल्म नाच गा घुमा (23.55 करोड़) के घरेलू लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ चुकी है. वहीं अब इसने फिल्म क्रांतिज्योति विद्यालय मराठी मध्यम (28 करोड़), टाइमपास (30 करोड़) और ठाकरे (31.6 करोड़) और को पछाड़कर भारत में ऑल टाइम टॉप 10 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मराठी फिल्मों की लिस्ट में 7वें नंबर पर पहुंच गई है. सिर्फ तीन दिनों में यह मराठी भाषा की फिल्मों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।साई और जुनैद की फिल्म एक दिन 3 दिनों में लड़खड़ाने लगी है। फिल्म ने 1.15 करोड़ रुपये से ओपनिंग की थी, जिसके बाद दूसरे दिन 1 करोड़ और तीसरे दिन 1.70 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। आमिर खान प्रोडक्शन द्वारा निर्मित यह फिल्म 3 दिनों में सिर्फ 3.85 करोड़ रुपये कमा सकी है। उधर अक्षय कुमार की भूत बंगला ने 17वें दिन, यानी रविवार को 5.50 करोड़ कमाते हुए 1,42.50 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर लिया है।

फिल्म पेड्डी को मिली नई रिलीज तारीख, अब राम चरण और वरुण का होगा टकराव

सुपरस्टार राम चरण और जाह्नवी कपूर की फिल्म पेड्डी एक बार फिर चर्चा में हैं। निर्माताओं ने आधिकारिक ऐलान करते हुए आखिरकार इसकी नई रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है। पहले फिल्म अप्रैल में रिलीज करने की तैयारी थी, लेकिन निर्देशक बुची बाबू सना ने इसे आगे बढ़ाने का फैसला लिया। उन्होंने बची हुई शूटिंग का हवाला देते हुए रिलीज को स्थगित करने ऐलान किया था। हालांकि, अब पेड्डी को जून में रिलीज किया जाएगा। संगीतकार एआर रहमान ने पेड्डी का नया पोस्टर जारी करते हुए लिखा, दृढ़ संकल्प ही उसकी कहानी है। दृढ़ निश्चय ही उसका हथियार है। #पेड्डी 4 जून, 2026 को विश्वव्यापी रिलीज। पहले 4 जून को यश अभिनीत फिल्म टॉक्सिक को रिलीज होना था, लेकिन अब उसे टाल दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि पेड्डी की टक्कर

वरुण धवन की फिल्म है जवानी तो इश्क होना है से होगी, जो 5 जून को रिलीज के लिए तैयार है।इससे पहले फिल्म को 30 अप्रैल को रिलीज किया जाना था, हालांकि इसकी रिलीज डेट को बदल दिया गया. फिल्म रिलीज से पहले इसके दो गाने चिकिरी चिकीरी और रई रई रा रा को भी बहुत पसंद किया गया है. दोनों ने यूट्यूब पर मिलियन में व्यूज बटोरे है और रिकॉर्ड बनाए है.पेड्डी को इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक माना जा रहा है, जिसमें रामचरण के साथ जाह्नवी कपूर की ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री देखने को मिलेगी. फिल्म को वृद्धि सिनेमा के बैनर तले बनाया जा रहा है, जिसे बुची बाबू सना ने लिखा और डायरेक्ट किया है. फिल्म में जगपति बाबू, शिवा राजकुमार और दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार भी नजर आने वाले है

नागार्जुन की 100वीं फिल्म किंग100 को मिला तब्बू का साथ, 28 साल बाद दोनों की दमदार वापसी

साउथ के दिग्गज सुपरस्टार अक्किनेनी नागार्जुन अपनी 100वीं फिल्म को लेकर काफी समय से चर्चा में हैं। रा कार्तिक द्वारा निर्देशित इस फिल्म का अस्थायी शीर्षक किंग100 है, जिसमें उन्हें मुख्य किरदार में देखा जाएगा। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि फिल्म प्री-प्रोडक्शन से मुख्य शूटिंग चरण में पहुंच चुकी है। शूटिंग कई चरणों में होने की उम्मीद है। इसमें तब्बू एक अहम किरदार निभाएंगी जो नागार्जुन के साथ उनकी वापसी का संकेत होगा।

दिग्गज अभिनेता ने तब्बू के साथ अपने रिश्ते पर बात की थी। उन्होंने कहा था, हमारा रिश्ता बहुत पुराना है। मैं उन्हें तब से जानता हूं जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी। और जब तब्बू को पता चला कि मैं अपनी 100वीं फिल्म कर रहा हूं, तो वह इसका हिस्सा बनना चाहती थीं। बता दें, नागार्जुन और तब्बू को आखिरी बार फिल्म आविदा मां आविडे (1998) में साथ देखा गया था।

धुरंधर 2 ने बाहुबली 2 को चटाई धूल, 1,788 करोड़ कमाकर बॉक्स ऑफिस पर किया राज, बनी दूसरी सबसे कमाऊ भारतीय फिल्म

रणवीर सिंह की जासूसी एक्शन थ्रिलर फिल्म धुरंधर 2: द रिवेंज ने 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने 46 दिन पूरे कर लिए हैं और अभी तक बॉक्स ऑफिस पर अपना कब्जा जमाकर बैठी है। फिल्म का खुमार लोगों पर इस कदर छाया है कि यह आए दिन किसी न किसी नए रिकॉर्ड को अपने नाम कर रही है। अब खबर है कि धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर फिर इतिहास रच दिया है। आमिर खान की फिल्म दंगल (लगभग 2,070 करोड़) के बाद, धुरंधर 2 वैश्विक स्तर पर दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है।

जाह्नवी कपूर की फिल्म लग जा गले के लिए करना होगा लंबा इंतजार, क्या है वजह?

धर्मा प्रोडक्शन की आगामी फिल्म लग जा गले लंबे समय से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। फिल्म में जाह्नवी कपूर, टाइगर श्रॉफ और लक्ष्य लालवानी, यह तीनों कलाकार मुख्य किरदारों में नजर आएंगे। फैंस जहां इस रिवेंज एक्शन ड्रामा की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, तो वहीं ताजा अपडेट है कि इसकी शूटिंग को आगे खिसकाने का फैसला लिया गया है। इसके पीछे का कारण लक्ष्य के लुक में बदलाव को बताया गया है।रिपोर्ट के मुताबिक, लक्ष्य के लुक में बदलाव की वजह से लग जा गले की शूटिंग अक्टूबर तक बढ़ाई गई है। सूत्र ने बताया कि चांद मेरा दिल में लक्ष्य का लुक सौम्य था, जबकि आगामी फिल्म लग जा गले के लिए उन्हें रफ एंड टफ अवतार अपनाना पड़ा, जिसके लिए उन्हें अपने बाल बढ़ाने पड़ेंगे, इसी कारण शूटिंग में देरी हो रही है। बता दें, अनन्या पांडे के साथ उनकी फिल्म चांद मेरा दिल 22 मई को रिलीज होगी।

सूत्र ने बताया कि फिल्म लग जा गले में, लक्ष्य को अपने लुक में बदलाव करना होगा। उन्हें अपने बाल बढ़ाने होंगे और फिर एक्शन फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू करनी होगी। यह पहला मौका होगा जब टाइगर के साथ लक्ष्य को स्क्रीन साझा करते हुए देखा जाएगा। उनके किरदारों के बीच का टकराव फिल्म का मुख्य आकर्षण होगा। चूकि जाह्नवी भी इसका हिस्सा हैं, जिससे कहानी लव ट्रायएंगल के इर्द-गिर्द घूमती दिखाई दे सकती है।

पैट्रियट ने दुनियाभर में मचाई धूम, तीन दिन में वर्ल्डवाइड कलेक्शन 60 करोड़ के हुआ पार

पैट्रियट साल की मच अवेटेड फिल्म थी. मोहनलाल और ममूटी स्टारर इस स्पाई पॉलिटिकल थ्रिलर ने 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी. इसे क्रिटिक्स और ऑडियंस से मिक्स्ड रिव्यू मिला और इसने कई नई फिल्मों से क्लैश के बावजूद शानदार ओपनिंग की. हालांकि वीकेंड पर द पैट्रियट के कलेक्शन में घरेलूबाजार में गिरावट दर्ज की गई लेकिन वर्ल्डवाइड इसने गर्दा उड़ा दिया है. जानते हैं इस फिल्म का तीसरे दिन का कलेक्शन कितना रहा है?मोहनलाल और ममूटी की द पैट्रियट की शुरुआत तो धमाकेदार हुई लेकिन फिर दूसरे ही दिन इसकी कमाई में मंदी देखी गई. वहीं ये फिल्म रविवार की छुट्टी का भी फायदा नहीं उठा पाई और इसके कलेक्शन में फिर काफी गिरावट दर्ज की गई है.फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक द पैट्रियट ने रिलीज के पहले दिन भारत में 10 करोड़ के कलेक्शन के साथ खाता खोला था. दूसरे दिन इस फिल्म ने 6.15 करोड़ कमाए.वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक द पैट्रियट ने रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे को घरेलू बाजार में 5.50 करोड का कलेक्शन किया है.

अपने डेस्क को व्यवस्थित करने के लिए अपनाएं ये 5 हैक्स, ध्यान केंद्रित करना होगा आसान

अगर आप ऑफिस में काम करते हैं तो आपका डेस्क काफी हद तक आपके काम करने के तरीके को प्रभावित कर सकता है। एक साफ-सुथरा और व्यवस्थित डेस्क न केवल आपके काम को आसान बनाता है, बल्कि आपके दिमाग को भी शांत रखता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने डेस्क को बेहतर तरीके से व्यवस्थित कर सकते हैं और अपने काम में ज्यादा ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

जरूरी चीजों को पास रखें

अपने डेस्क पर उन चीजों को हमेशा रखें, जो आपके लिए सबसे ज्यादा जरूरी हैं। जैसे कि आपके कंप्यूटर का माउस, कीबोर्ड और फोन का चार्जर आदि। इसके अलावा अगर आपको अक्सर कोई कागज चाहिए होता है तो उसे भी सामने रख लें। इससे आपको बार-बार उठकर चीजें ढूंढनी नहीं पड़ेगी और आपका समय बचेगा। इसके साथ ही आप बिना किसी रुकावट के अपना काम कर पाएंगे और आपका ध्यान भी बंटेगा नहीं।

एक समय पर एक ही काम करें

एक ही समय पर एक ही काम करना बहुत जरूरी है। इससे आपका ध्यान बंटेगा नहीं और आप ज्यादा काम कर पाएंगे। उदाहरण के लिए, अगर आप ई -मेल देख रहे हैं तो उसे पूरा करके ही अगले काम पर जाएं। इसी तरह अगर आप कोई रिपोर्ट लिख रहे हैं तो उसे पूरा करके ही दूसरे काम पर जाएं। इससे आपकी कार्यक्षमता बढ़ेगी और आप बेवजह की रुकावटों से बच सकेंगे।

फालतू सामान हटा दें

अपने डेस्क से फालतू सामान हटा दें, जैसे कि पुराने कागज, खाली पेन या कोई ऐसा सामान, जो अब आपकी जरूरत नहीं रहा। इससे आपका डेस्क साफ-सुथरा रहेगा और आपको काम करने में आसानी होगी। आप चाहें तो कुछ पौधे भी रख सकते हैं, जो माहौल को ताजगी देंगे और ध्यान केंद्रित करने में मदद करेंगे। एक साफ-सुथरा डेस्क आपके मनोबल को भी बढ़ाएगा और आप अधिक काम कर सकेंगे।

रंगों का सही चयन करें

रंग भी आपके काम करने के माहौल को प्रभावित कर सकते हैं। हल्के रंगों का इस्तेमाल करें, जैसे कि हल्का नीला या हरा, जो आंखों को आराम देते हैं और ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो कुछ छोटे-छोटे पौधे भी रख सकते हैं, जो माहौल को ताजगी देंगे और आपके मनोबल को बढ़ाएंगे। सही रंगों का चयन करने से आपका काम करने का माहौल बेहतर होगा और आप अधिक काम कर सकेंगे।

तकनीक का इस्तेमाल करें

आजकल कई ऐसी तकनीकी उपकरण उपलब्ध हैं, जो आपके काम को आसान बना सकती हैं। जैसे कि डिजिटल नोटबुक और स्मार्ट ऑर्गनाइजर आदि का इस्तेमाल करें। ये उपकरण न केवल आपका समय बचाएंगे, बल्कि आपके काम में भी सुधार करेंगे। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने डेस्क को बेहतर तरीके से व्यवस्थित कर सकते हैं और अपने काम में ज्यादा ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इससे न केवल आपकी उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि आपका मनोबल भी मजबूत रहेगा।

एयर कूलर की इन तरीकों से करें सफाई, लंबे समय तक मिलेगा फायदा

गर्मियों के दौरान घर को ठंडा रखने में एयर कूलर काफी मदद कर सकता है। हालांकि, अगर आप इसे सही तरीके से इस्तेमाल नहीं करते हैं तो इससे घर को ठंडक देने के बजाय गर्मी महसस होने लगती है। इसके अलावा एयर कूलर की लगातार इस्तेमाल से इसके पंखे के ब्लेड और पानी के पंप में गंदगी जमने लगती है, जिससे इसका ठंडक देने का असर कम हो जाता है।

एयर कूलर की बाहरी सफाई करें

एयर कूलर की बाहरी सफाई के लिए सबसे पहले इसे बंद कर दें, फिर इसके पंखे के ब्लेड, जाली और सामने के हिस्से को गर्म पानी और लिक्विड साबुन से साफ करें। इसके अलावा एयर कूलर के बाहरी हिस्से पर लगे धूल के कणों को हटाने के लिए उसे कपड़े से पोंछें। अगर आपके एयर कूलर पर कोई निशान है तो उसे हटाने के लिए टूथपेस्ट और पानी का मिश्रण बनाकर उससे साफ करें। इससे कूलर चमकदार दिखेगा।

एयर कूलर के पानी की टंकी को ऐसे करें साफ

एयर कूलर के पानी की टंकी को साफ करने के लिए सबसे पहले इसे बंद करें, फिर टंकी के पानी को बाहर निकालकर इसे गर्म पानी से भरें। इसके बाद टंकी में 2-3 कप सफेद सिरका डालें और इसे 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद टंकी को पानी से भरकर उसका पानी बाहर निकाल दें। इस तरह से टंकी की सफाई से इसमें मौजूद गंदगी दूर हो जाएगी।

एयर कूलर के पानी के पंप की सफाई भी है जरूरी

एयर कूलर के पानी के पंप के लिए गर्म पानी और लिक्विड साबुन का घोल बनाकर उसमें एक कपड़ा भिगोएं, फिर उससे पानी के पंप को साफ करें। इसके अलावा पानी के पंप की सफाई के लिए आप टूथपेस्ट और पानी के मिश्रण का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे पानी के पंप की सफाई के साथ-साथ एयर कूलर की ठंडक देने की क्षमता भी बढ़ेगी।

एयर कूलर के पंखे को ऐसे करें साफ

एयर कूलर के पंखे को साफ करने के लिए सबसे पहले इसे बंद करें, फिर एक गीला कपड़ा लेकर उससे पंखे के ब्लेड को साफ करें। इसके बाद पंखे के ब्लेड पर टूथपेस्ट और पानी का मिश्रण लगाएं, फिर एक सूखे कपड़े से पंखे को पोंछ लें। अगर आप पंखे को साफ करने के लिए टूथपेस्ट का इस्तेमाल नहीं करना चाहते हैं तो उसके लिए सिरके और पानी के घोल का इस्तेमाल करें।

अमेरिका ने होर्मुज जलडमरुमध्य में ईरान की 6 छोटी नावों को नष्ट किया

वाशिंगटन, (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में 8 अप्रैल को युद्धविराम लागू होने के बाद फिर एक बार तनाव बढ़ता दिख रहा है। सोमवार को ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया। साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य में एक जहाज को निशाना बनाया। इसके बाद अमेरिकी सेना ने होर्मुज में ईरान की 7 छोटी नावों को नष्ट कर दिया। यह हमला तब किया गया, जब होर्मुज से गुजर रहे 2 वाणिज्यिक जहाजों पर ईरान ने मिसाइल दागी थी।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को प्रोजेक्ट फ्रीडम अभियान शुरू किया, जिसका उद्देश्य ईरान से होर्मुज का नियंत्रण वापस लेना था। अमेरिकी मध्य कमान के प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अभियान शुरू होने के बाद ईरान वाणिज्यिक जहाजों को धमकाने के लिए 20-40 छोटी नौका तैनात कर रहा था, जिसमें 6 को तुरंत बाद नष्ट कर दिया गया। उन्होंने बताया कि अभी होर्मुज के आसपास एएच-64 अपाचे और एमएच-60 सीहॉक हेलीकॉप्टर तैनात है।

कूपर ने बताया कि अमेरिकी अभियान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने हस्तक्षेप का प्रयास कर अमेरिकी जहाजों पर कई क्रूज मिसाइलें, ड्रोन और छोटी नौकाएं दागी हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिकी सेना ने रक्षात्मक हथियारों के सटीक प्रयोग से सभी खतरों को विफल कर दिया। कूपर ने ईरानी सेना को अमेरिकी सैन्य संपत्तियों से दूर रहने की सलाह दी है क्योंकि प्रोजेक्ट फ्रीडम अभियान में 15,000 सैनिक, विध्वंसक पोत, 100 से अधिक समुद्री विमान और पनडुब्बी शामिल हैं।

जर्मनी में लीपजिग शहर के बाजार में घुसी कार ने भीड़ को कुचला, 2 की मौत

बर्लिन, (आरएनएस)। जर्मनी में सैक्सोनी राज्य के शहर लीपजिग में सोमवार को बड़ा हादसा हुआ। यहां एक कार भीड़भाड़ वाले बाजार में घुसी और लोगों को टक्कर मारते हुए निकल गई। घटना में कम से कम 2 लोगों की मौत हुई है, जबकि 22 लोगों को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लीपजिग के दमकल विभाग के प्रमुख एक्सल शू ने बताया कि यह इलाका खरीदारी क्षेत्र होने की वजह से काफी व्यस्त और भीड़भाड़ वाला है।लीपजिग के मेयर बुरखार्ड जंग ने बताया कि यह जानबूझकर किया गया हिंसक हमला था। उन्होंने इसे एक भयानक त्रासदी बताया है। मेयर ने बताया कि संदिग्ध की पहचान 33 वर्षीय जर्मन नागरिक के रूप में हुई है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। अभी तक अपराध के मकसद के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है पुलिस ने पुष्टि की है कि एक कार ने ग्रिमाइशे स्ट्रासे इलाके में भी कई लोगों को टक्कर मारी थी।सैक्सोनी राज्य के प्रमुख माइकल क्रेट्स्मर ने बताया कि संदिग्ध पहले मानसिक बीमारी से पीड़ित था। वह काफी तेज गति से कार चला रहा था। मृतकों में एक 63 वर्षीय महिला और एक 77 वर्षीय पुरुष शामिल थे, दोनों जर्मन नागरिक थे। घायलों में करीब 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उसके स्वास्थ्य की जांच भी कराई जा रही है। बता दें, घटना के बाद पूरे इलाके में नाकाबंदी की गई थी।

होर्मुज संकट फिर गहराया : अमेरिकी हमले में 5 की मौत, UAE में मिसाइल अटैक; बहरीन में नेशनल इमरजेंसी घोषित

नई दिल्ली (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में 18 दिन के संघर्षविराम के बाद एक बार फिर तनाव तेज हो गया है। संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में ड्रोन हमले, बहरीन में रेड अलर्ट और होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते संकट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। ईरानी मीडिया ने सैन्य सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान की ओर सामान ले जा रही दो नागरिक नौकाओं को निशाना बनाया, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई। ईरान का कहना है कि ये आईआरजीसी की स्पीडबोट्स नहीं, बल्कि आम मालवाहक नौकाएं थीं। दूसरी ओर, अमेरिका ने ईरान के उस दावे को खारिज कर दिया है जिसमें अमेरिकी नौसैनिक जहाज पर हमले की बात कही गई थी। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे मनगढ़ंत बताया है। इस बीच, बहरीन ने नेशनल इमरजेंसी घोषित कर दी है। वहीं संयुक्त अरब अमीरात ने जानकारी दी कि फुजैराह स्थित एक प्रमुख तेल सुविधा पर ईरानी ड्रोन हमले के बाद आग लग गई। यह केंद्र होर्मुज जलडमरूमध्य को बायपास करने वाला महत्वपूर्ण पाइपलाइन हब है। इसके बाद ब्रिटिश सेना ने भी अमीरात तट के पास एक मालवाहक जहाज में आग लगने की पुष्टि की। इन घटनाओं के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 6त्न की तेजी दर्ज

की गई। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इन हमलों में किसी भी भूमिका से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि इस संकट का कोई सैन्य समाधान नहीं है और इसे केवल कूटनीति के जरिए सुलझाया जा सकता है। उन्होंने अमेरिका और UAE को चेतावनी दी कि वे इस दलदल में फिर से न फंसें।उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यदि ईरान ने अमेरिकी जहाजों पर हमला किया, तो उसे मिटा दिया जाएगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ईरान ने एक दक्षिण कोरियाई मालवाहक जहाज को निशाना बनाया है। अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने बताया कि अमेरिका, बहरीन और अन्य खाड़ी सहयोगियों के साथ मिलकर संयुक्त राष्ट्र में एक प्रस्ताव तैयार कर रहा है, जिससे जलमार्ग को बाधित करने के लिए ईरान की जवाबदेही तय की जा सके। वहीं, जर्मनी के चांसलर ने ईरान से वार्ता की मेज पर लौटने की अपील की है।अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के अनुसार, ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम की समयसीमा में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, हालांकि संभावित अमेरिकी-इजरायली दबाव के चलते इसमें कुछ देरी आ सकती है। इस बीच, ओमान में भी एक आवासीय भवन को निशाना बनाने की खबर सामने आई है। पूरे घटनाक्रम पर अमेरिकी रक्षा सचिव और वरिष्ठ सैन्य अधिकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले हैं। अमेरिका ने चीन से भी अपील की है कि वह वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और भारत जैसे देशों को एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने में सहयोग करे।

फिर लगी ट्रंप की सुरक्षा में सेंध, व्हाइट हाउस के बाहर चलीं गोलियां

वॉशिंगटन,(ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति के निवास व्हाइट हाउस के पास उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब सीक्रेट सर्विस के एक अधिकारी ने फायरिंग की। यह घटना तब हुई जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस के भीतर एक बिजनेस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सुरक्षा अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रपति पूरी तरह सुरक्षित हैं और उनकी सुरक्षा में कोई सेंध नहीं लगी है। सीक्रेट सर्विस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, व्हाइट हाउस परिसर के बाहरी इलाके में एक संदिग्ध के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान अधिकारी को अपने हथियार का इस्तेमाल करना पड़ा। हालांकि, घटना किन परिस्थितियों में हुई और अधिकारी को गोली क्यों चलानी पड़ी, इसकी विस्तृत जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। अधिकारियों ने यह भी साफ नहीं किया है कि जिस व्यक्ति को गोली लगी, उसकी पहचान क्या है या उसकी वर्तमान स्थिति कैसी है। जांच का मुख्य विषय यह है कि क्या वह व्यक्ति सीधे तौर पर राष्ट्रपति या व्हाइट हाउस के लिए कोई खतरा था।

जिस समय बाहर गोली चली, राष्ट्रपति ट्रंप भवन के अंदर महत्वपूर्ण चर्चा में व्यस्त थे। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत पूरे इलाके को घेर लिया गया और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। साक्ष्य जुटाने और जांच प्रक्रिया पूरी करने के लिए आसपास की कई सड़कों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। सीक्रेट सर्विस ने बयान जारी कर कहा है कि मामले की गहन जांच जारी है और तथ्यों के स्पष्ट होने पर अतिरिक्त जानकारी साझा की जाएगी। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा को लेकर अमेरिका में पहले से ही चिंता का माहौल है। पिछले कुछ समय में उन पर हमलों की कई कोशिशें और धमकियां सामने आ चुकी हैं। हाल ही में कोल टॉमस एलन नामक एक सशस्त्र व्यक्ति ने वॉशिंगटन के एक होटल में सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश की थी, जिसमें एक एजेंट घायल हुआ था। इसके अलावा, 2025 में भी एक रैली के दौरान उन पर जानलेवा हमला हुआ था। लगातार हो रही इन घटनाओं के मद्देनजर, अधिकारियों का मानना है कि देश में अकेले हमलावरों (लोन वोल्फ) और राजनीतिक हिंसा का खतरा बरकरार है। इस ताजा गोलीबारी के बाद राष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा सकती है और आने वाले समय में निगरानी और अधिक सख्त होने की संभावना है।

चीन में लियुयांग शहर के पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट; 26 की मौत, 61 घायल

बीजिंग, (ए)। चीन के हुनान प्रांत में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां के लियुयांग शहर में स्थित हुआशेंग आतिशबाजी संयंत्र में भीषण विस्फोट हुआ, जिसमें 26 लोग मारे गए हैं। घटना के बाद संयंत्र के 3 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। अभी करीब 61 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटनास्थल पर अधिकारियों ने 1,500 से अधिक आपातकालीन बचाव कर्मियों, कुत्तों, ड्रोन और रोबोटों को तैनात किया है। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के बाद फैक्ट्री के उड़ते मलबे से कई लोगों को गंभीर चोट आई है और हड्डियां तक टूट गई हैं। घायलों की उम्र 20 से 60 वर्ष के बीच है। सूत्रों ने बताया कि विस्फोट का असर कारखाने से लगभग 1 किलोमीटर दूर रहने वाले निवासियों के घरों तक पड़ा है। कुछ घरों की कांच की खिड़कियां और कुछ घरों में एल्युमिनियम के खिड़की के फ्रेम टेढ़े-मेढ़े हो गए।विस्फोट के कई लोग लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी संख्या का खुलासा नहीं हुआ। कुछ रिपोर्ट में इनकी संख्या 7 बताई जा रही है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने लापता लोगों की तलाश और घायलों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास का आग्रह किया। उन्होंने अधिकारियों से मामले की शीघ्र जांच करने, दोषियों को कड़ी जवाबदेही के दायरे में लाने और उद्योगों में प्रभावी जोखिम को कम करने के लिए सार्वजनिक सुरक्षा प्रबंधन मजबूत करने को कहा है।

खेल समाचार

आईपीएल में आज होगा सनराइजर्स और पंजाब किंग्स का मुकाबला

हैदराबाद (ए.)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल 2026 के 49वें मैच में बुधवार को अपने घरेल मैदान में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स का मुकाबला करेगी। सनराइजर्स का लक्ष्य इस मैच में जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदार पक्की करना रहेगा। अभी वह 10 मैचों में छह जीत और चार हार के साथ ही वह अंक तालिका में अभी 12 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं।

वहीं दूसरी ओर नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स ने अपने 8 मैच जीते हैं जबकि एक मैच का परिणाम बारिश के कारण नहीं आया। जिससे उसके कुल 13 अंक हैं और वह शीर्ष पर है उसका लक्ष्य ये मैच भी जीतकर अपना स्थान बनाये रखना होगा। इससे पहले हुए मैच में पंजाब ने मुल्लानपुर में हुए मुकाबले में सनराइजर्स को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। वहीं हैदराबाद की टीम उस हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जिससे ये

मुकाबला तकरीबन बराबरी का है।

पंजाब के पास प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य, कूपर कोनोली और कप्तान श्रेयस अय्यर जैसे बल्लेबाज हैं। वहीं अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में सनराइजर्स की कमान कप्तान पैट कमिंस के पास रहेगी, इसके अलावा उसके पासा हर्षल पटेल, साकिब हुसैन जैसे गेंदबाज भी हैं। हीं पंजाब के पास मार्को यानसन, जेवियर बार्टलेट, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल जैसे गेंदबाज हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 25 मुकाबले हुए हैं जिसमें से सनराइजर्स हैदराबाद ने 17 जबकि

पंजाब किंग्स ने 8 जीते हैं।

ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, सलिल अरोड़ा, अनिकेत वर्मा, शिवांग कुमार, हर्षल पटेल, साकिब हुसैन

इम्पैक्ट प्लेयर: ईशान मलिंगा

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), प्रियांश आर्य, कूपर कोनोली, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, नेहल वढेरा, मार्को यानसन, जेवियर बार्टलेट, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल।

पीएसएल 2026: पेशावर जल्मी दूसरी बार बनी चैंपियन, खिताबी मुकाबले में हैदराबाद को 5 विकेट से दी मात

नईदिल्ली, (ए) । पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 के फाइनल में पेशावर जल्मी ने हैदराबाद किंग्समेन को 5 विकेट से हराकर दूसरी बार खिताब अपने नाम कर लिया. जल्मी ने 9 साल बाद यह खिताब जीता है. पेशावर जल्मी ने हैदराबाद किंग्समेन के 130 रनों के लक्ष्य को 16वें ओवर की दूसरी गेंद पर 5 विकेट खोकर हैदराबाद हासिल कर लिया। पेशावर जल्मी की तरफ से एरॉन हार्डी और अब्दुल समद ने जिम्मेदारी भरी बल्लेबाजी करते हुए पांचवें विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी की और टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। आरोन हार्डी ने दबाव के बीच 36 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और 56 रनों पर नाबाद रहे, जबकि अब्दुल समद 48 रनों की पारी खेली. हैदराबाद किंग्समेन की ओर से मोहम्मद अली ने 3 विकेट लिए, जबकि आकिफ जावेद और हुनैन शाह ने एक-एक विकेट हासिल किया। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए इस फाइनल मुकाबले में, पेशावर जल्मी ने टॉस जीतकर हैदराबाद किंग्समेन को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया, और पूरी टीम 18 ओवरों में 129 रनों पर ही सिमट गई. जिसमें साईम अयूब ने 54 रनों की शानदार पारी खेली. पेशावर जल्मी के लिए एरॉन हार्डी ने 4 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया. नाहिद राणा ने 2 विकेट लिए, जबकि सूफियान मुकीम और मोहम्मद बासित ने एक-एक विकेट लिया। पेशावर जल्मी के ऑलराउंडर एरॉन हार्डी को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया. जबकि सुफियान मुकीम को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड दिया गया. इसके अलावा लीग के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज सूफियान मुकीम को फजल महमूद कैप दी गई, जिन्होंने टूर्नामेंट में 22 विकेट लिए थे. वहीं बाबर आजम को 588 रनों के साथ सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुना गया और उन्हें गोल्डन बैट के साथ-साथ हनीफ मुहम्मद कैप से भी सम्मानित किया गया। पेशावर जल्मी के फरहान यूसुफ को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ फील्डर, इस्लामाबाद यूनाइटेड के कप्तान शादाब खान को सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर, पेशावर जल्मी के कौशल मेंडिस को सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर, और हैदराबाद किंग्समेन के हुनैन शाह को टूर्नामेंट का इमर्जिंग प्लेयर चुना गया. हैदराबाद किंग्समेन टीम को स्पिरिट ऑफ द क्रिकेट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

मेरे पास कोई जवाब नहीं..., हार से दुखी ऋषभ पंत ने बोली बड़ी बात

नईदिल्ली, (ए.)। लखनऊ सुपर जायंट्स का आईपीएल 2026 में प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है. सोमवार 4 मई को खेले गए मैच में उन्हें मुंबई इंडियंस से भी हार का सामना करना पड़ा। जब लखनऊ के तेज गेंदबाज वानखेड़े की पिच पर 228 रन भी नहीं बचा पाए. ये इस सीजन लखनऊ सुपर जायंट्स को लगातार छठी हार है और वो चार अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे बने हुए हैं।

मैच के बाद कप्तान ऋषभ पंत के पास इस बात का कोई जवाब नहीं था कि उनकी टीम ने शानदार शुरुआत (छह ओवर में 90/1) करने के बावजूद अपनी लय कैसे खो दी. पंत ने माना कि जिस तरह से उन्होंने शुरुआत की थी, उसे देखते हुए वे लगभग 10-15 रन पीछे रह गए।

पंत ने कहा, जिस तरह से हमने शुरुआत की थी, हमें निश्चित रूप से और रन बनाने चाहिए थे. उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की, वे इन परिस्थितियों के आदी थे. निश्चित रूप से, हम 10-15 रन पीछे रह गए. पंत ने ये भी कहा, इस विकेट पर 228 रन का बचाव न कर पाने के लिए अपने गेंदबाजों को दोष नहीं देंगे. वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं. पंत ने कहा कि अब उनकी टीम को मैच जीतने के लिए बस थोड़ी किस्मत की जरूरत है. इसके लिए हमें और ज्यादा मेहनत करनी होगी, यह तो पक्का है।

वहीं दूसरी ओर हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने इस जीत का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया. सूर्य ने कहा कि छह ओवर में 90/1 के स्कोर पर होने के बावजूद टीम में कोई घबराहट नहीं फैली, क्योंकि इस सीजन में पहले खेले गए मैचों में भी वे ऐसी ही परिस्थितियों का सामना कर चुके थे. उन्होंने मैच को वापस टीम के पक्ष में मोड़ने का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया।

उन्होंने कहा कि मैच का रुख पलटने के लिए उन्हें गेंदबाजों को ज्यादा कुछ समझाने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि सभी गेंदबाजों के पास अपनी-अपनी योजनाएं पहले से ही तैयार थीं. सभी को यह विश्वास था, और प्लान भी साफ थे. बस थोड़ा-सा आक्रामक खेलना था।

हार्दिक के बाहर होते ही रोहित की मुम्बई इंडियंस में वापसी से उठे सवाल

टीम में सबकुछ ठीक नहीं होने की अटकलें तेज हुईं

मुम्बई (ए.)। मुंबई इंडियंस में लगता है कि सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। ड्रेसिंग रूम में जारी टकराव का प्रभाव मैदान पर भी नजर आने लगा है। इससे टीम के प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए मैच में एक बार फिर ये देखने में आया है। इस मैच में कप्तान हार्दिक पंड्या के अचानक बाहर होने के बाद पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की मैच में वापसी पर भी सवाल उठे हैं।

सोमवारर रात हुए इस मैच में मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स को छह विकेट से हरा दिया हालांकि इस मैच में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर रही कि पिछले कुछ समय से लगातार चोटिल रहे रोहित अचानक ही अंतिम ग्यारह में शामिल हो गए, जबकि नियमित कप्तान पंड्या मैच से बाहर थे। रोहित ने इस मैच में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में ही छह चौके और सात छक्कों की सहायता से 84 रन बनाकर मुम्बई की जीत में अहम भूमिका निभाई।

इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर और क्रिकेट जानकारों के बीच यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि रोहित फिटनेस को लेकर जानबूझकर अंतिम ग्यारह से बाहर थे और जैसे ही पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया, रोहित खेलने के तैयार हो गए। ये भी कहा जा रहा है रोहित, हार्दिक की कप्तानी में खेलने को लेकर सहज नहीं हैं। इसी लिए उन्होंने सूर्यकुमार की कप्तानी में वापसी की। इससे मुंबई इंडियंस में जारी मतभेद सामने आ गये हैं। कहा जा रहा है कि हार्दिक को कप्तानी से कई खिलाड़ी खुश नहीं हैं। इसी कारण टीम हार्दिक की कप्तानी में लगातार असफल रही है और प्लेऑफ तक भी नहीं पहुंच पायी है। पिछले सत्र में भी यही हुआ था। हालांकि पंड्या के अचानक मैच से बाहर होने के पीछे पीठ में अकड़न बताई गई है। सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन के बयान से ये अंदाजा होता है। रेयान ने कहा,कि उन्हें मैच के दिन ही दोपहर में हार्दिक की चोट का पता चला था। साथ ही कहा कि ये कितनी गंभीर है ये उन्हें जानकारी नहीं थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि हार्दिक अगले मैच में टीम के साथ होंगे। इससे पहले, कार्यवाहक कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के समय हार्दिक के चोटिल होने की पुष्टि की थी। सवाल यह है कि क्या यह चोट इतनी गंभीर थी कि हार्दिक को बाहर बैठना पड़ा, या इसके पीछे कोई और रणनीति काम कर रही थी, जिसने रोहित की वापसी का रास्ता साफ किया? अब देखना है कि मुंबई इंडियंस टीम प्रबंधन कैसे इस आंतरिक संघर्ष को समाप्त करता है।

मुंबई इंडियंस ने अपना सबसे बड़ा स्कोर चेज करके लखनऊ को 6 विकेट से हराया

नईदिल्ली (ए) । वानखेड़े स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 47वें मैच में मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स को छह विकेट से हरा दिया. 229 रनों के विशाल लक्ष्य को मुंबई इंडियंस ने 8 गेंद पहले ही चेज कर लिया. ये मुंबई का आईपीएल में सबसे बड़ा सफल चेज है. इससे पहले उन्होंने इसी सीजन केकेआर के खिलाफ 221 रन चेज किया था। चोट से उबरने के बाद रोहित शर्मा ने शानदार वापसी की. उन्होंने अर्धशतक जड़ा और रयान रिकेल्टन के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 143 रनों की साझेदारी करके जीत की नींव रख दी। रोहित ने सबसे ज्यादा 84 रन बनाए, और रिकेल्टन, जिन्होंने कुछ जोरदार शॉट लगाए, ने 83 रन जोड़े. इस तरह मुंबई इंडियंस ने वानखेड़े में सबसे बड़े रन-चेज का रिकॉर्ड बना दिया. इस मैच में हार्दिक पांड्या की जगह सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी की. हार्दिक फिट ना होने की वजह से इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे। इसके साथ पांच बार की चैंपियन टीम ने 10 मैचों में अपनी तीसरी जीत हासिल की. वे छह अंकों पर पहुंच गए हैं, लेकिन पॉइंट्स टेबल में अभी भी नीचे से दूसरे स्थान पर बने हुए हैं, और अपनी जीत की थोड़ी-बहुत उम्मीदों को बनाए हुए हैं। पहले बैटिंग करते हुए, निकोलस पूरन ने 16 गेंदों में तेज अर्धशतक जड़ा. उन्होंने 21 गेंदों में 63 रन बनाए, और मिचेल मार्श ने 25 गेंदों में 44 रन बनाए. जिसकी बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने मध्यक्रम के लड़खड़ाने के बावजूद 228/5 का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया. यह दोनों टीमों के लिए करो या मरो वाला मैच था।

कई कार्यालयों में मरती जा रही मानवता!

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। प्राय: देखने में आ रहा है कि जो बेरोजगार थे दर दर की ठोकर खा रहे थे उनको जैसे ही छोटा मोटा रोजगार मिला किसी कार्यालय की कुर्सी पर बैठने का अवसर मिलते ही उनके अंदर की मानवता मरती जा रही है। क्योंकि वे सोचते हैं कि अब तो रोजगार मिल गया। अब कौन क्या कर लेगा। जब बेरोजगार थे तब सोचते थे कि किसी प्रकार रोजगार मिल जाए तो लोगों की सेवा करेंगे। कार्यालयों में आने वाले लोगों के काम आएंगे। उसके विपरीत कई लोग कुर्सी पर बैठते ही अपने स्वार्थ में इतने मशगूल हो जाते है कि लोग जाएं भाड़ में हम क्यों किसी के काम आएं। कई तो कार्यालयों में आने वाले जरूरतमंद परेशान लोगों को स्वार्थ भरी नजरों से ही देखते हैं। यहां तक कि कई जरूरतमंद उनसे उनके कार्यालय से संबंधित कुछ जानकारी लेना चाहे तो वे जानकारी होने के बाद भी टाल देते हैं। बड़े बुजुर्ग, महिला, तथा बेरोजगार जैसे वह पहले थे उनकी मदद करने की बिल्कुल इच्छा शक्ति मर जाती है। देखने में आता है कि कई कार्यालयों का माहौल बहुत गंदा हो चुका है। भले ही उनके पास ज्यादा काम नहीं हो फिर भी ऐसा ड्रामा किया जाता है कि पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा व्यस्त ये ही हैं। उनको बहुत काम है। इसलिए कई जरूरतमंद लोगों से सीधे मुंह बात नहीं करते हैं। यदि उनको कुछ उनके स्वार्थ का लालच दे दिया जाए तो दुम हिलाते हुए ऐसे हो जाते हैं कि जैसे इनको कार्यालय में कोई काम ही नहीं है। सिर्फ काम के बदले उनके स्वार्थपूर्ति करने वाले से उनकी लालच वाली पूर्ति हो जाने तक वे उसके इतने हितेषी हो जाते हैं जैसे वे उनके काम के लिए ही बने हों। हालाकि इसमें दोनों पक्ष शामिल हैं। कई तो जानबूझकर सेवाशुक्ल देकर उनकी आदत बनवा देते हैं। इसी कारण अब कई कुर्सीधारियों के मन में नि:स्वार्थ भाव दम तोड़ता जा रहा है।

उनके वरिष्ठ या रूतबेदार के आगे हिलती है दुम

देखा जाता है कि कई कार्यालयों में या तो उनके वरिष्ठ जोर देकर कहें तो या फिर प्रभावशील रूतवेदार कहें तो फिर जिस काम करने में उनको तकलीफ हो रही होती है वह काम करना ही पड़ता है। जबकि उनको वह कार्य बिना वरिष्ठ या रूतबेदार के कहें बगैर ही करना चाहिए।

अभी भी कुछ अच्छे लोग हैं

ऐसा नहीं कि सभी कार्यालयों में सब लालची हो गए हैं। कुछ कार्यालयों में मिशाल भी देखने को मिलती है। जो बिना किसी स्वार्थ के बिना किसी पहचान के उनके भी काम आ जाते हैं जिनसे उनको कोई सेवा शुक्ल नहीं मिलती है।

बहुत गलत प्रक्रिया हो गई है

जिस प्रकार से लालची प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है यह प्रकिया बहुत गलत हो गई है। इसे सुधारने वाले मसीहा के अवतार की उम्मीद कम ही नजर आती है। क्योंकि जो जनप्रतिनिधि कहलाते हैं वे भी उतना ध्यान देना बंद कर चुके हैं। कभी कभार दिखावे के नाम पर जरूर किसी किसी को ढांटने जैसी स्थिति देखी जाती है। लेकिन उसके बाद भी वही हालात हो जाते हैं। तभी तो जनसुनवाई और वनऐटवन पर शिकायतों का पुलिंदा देखा जाता है।

जिला प्रशासन की संवेदनशील कार्यवाही, सड़क दुर्घटना पीड़ितों को पहुंचाई गई त्वरित राहत

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से मिली आर्थिक सहायता

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मुख्यमंत्री सुरक्षा अनुदान योजना के अंतर्गत जिले में विगत दिनों हुई दुर्घटना के पीड़ित व्यक्तियों के लिए सहायता राशि स्वीकृत की गई है। उल्लेखनीय है कि जिले में हाल ही में नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर हुई सड़क दुर्घटना के पीड़ितों के लिए जिला प्रशासन द्वारा संवेदनशीलता के साथ त्वरित राहत कार्यवाही की गई है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार मृतक एवं घायलों को मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान के तहत आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत कर वितरण सुनिश्चित किया गया। तहसीलदार माखननगर सुनील गढ़वाल ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम आंचलखेड़ा, माखननगर मार्ग पर हुई सड़क दुर्घटना में मृत एवं घायल हुए व्यक्तियों के परिजनों को राहत प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान के अंतर्गत मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये, गंभीर घायलों को 1 लाख रुपये तथा अन्य घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई। उन्होंने बताया कि स्वीकृति पत्र ग्राम महेन्दबाड़ी पहुंचकर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रभावित परिवारों को वितरित किए गए। जिला प्रशासन की इस त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही से पीड़ित परिवारों को आर्थिक संबल प्राप्त हुआ है।

श्री सूर्य छाया सुत शनिदेव का प्रक्टोत्सव 16 मई को

नर्मदापुरम (निप्र)। मां नर्मदा के पावन तट विवेकानंद घाट पर स्थित नवग्रह मंदिर शनिदेव देवालय में पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी सूर्य छाया सुत शनि महाराज का प्रकटोत्सव ज्येष्ठ माह की अमावस्या पर 16 मई को भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा। शनि देवालय के पुजारी आचार्य ज्योतिषाचार्य पं अरूण जोशी ने बताया कि शनिदेव का जन्मोत्सव शनिवार को होने से इस दिन की और अधिक महत्ता बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि 16 मई शनिवार को सुबह 8 बजे शनि महाराज की पूजन अर्चन और हवन होगा। दोपहर के समय समस्त भक्तगणों के सहयोग से विशाल भंडारे का आयोजन होगा। रात्र में 8.30 बजे महाआरती होगी। उन्होंने सभी शनि जातकों जिन पर शनिदेव के साढ़े साती या किसी भी प्रकार के शनि लगे हुए हैं उनको इस दिन का विशेष लाभ देते हुए न्याय के देवता शनिदेव की आराधना का पुण्य लेना चाहिए जिससे शनिदेव की दशा का असर नहीं रहता है। उन पर शनिदेव की कृपा बरसने लगती है। ऐसे मौके का लाभ लेने के लिए शनि मंदिर में पहुंच कर तन मन धन से सहयोग करने का आगह आयोजन समिति के द्वारा किया जा रहा है।

सीपीआर प्रक्रिया आपात स्थिति सिद्ध होती है जीवन रक्षक प्रक्रिया : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

जनसुनवाई के दौरान सभाकक्ष में आयोजित हुआ सीपीआर प्रशिक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, मृत्यु दर में कमी लाने एवं घायलों को समय पर राहत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनसुनवाई के दौरान एक महत्वपूर्ण सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दुर्घटना के बाद सहायता पहुंचने में लगने वाले समय के दौरान आमजन एवं अधिकारियों को प्राथमिक उपचार देने में सक्षम बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा सीपीआर प्रक्रिया का लाइव डेमो प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं जनसुनवाई में आए आवेदकों को सीपीआर देने की विधि विस्तारपूर्वक समझाई गई। साथ ही प्रतिभागियों को डमी के माध्यम से स्वयं अभ्यास कराकर प्रशिक्षण को व्यावहारिक रूप से भी सुदृढ़ किया गया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सीपीआर को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह एक सरल लेकिन प्रभावी जीवन रक्षक प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में सही समय पर सीपीआर देने से किसी भी व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस प्रकार के प्रशिक्षण को गंभीरता से लें और आवश्यकता पड़ने पर इसका उपयोग कर मानव जीवन की रक्षा में सहयोग करें।

आरटीआई के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु 6 मई से आयोजित होंगे दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

नर्मदापुरम (निप्र)। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अधिकारियों की क्षमता संवर्धन के उद्देश्य से जिला प्रशासन, नर्मदापुरम द्वारा आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी के सहयोग से दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 06 मई 2026 एवं 07 मई 2026 को ई-दक्ष केंद्र, नर्मदापुरम में प्रतिदिन प्रात: 10:30 बजे से आयोजित होगा। प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न विभागों के लोक सूचना अधिकारी (PIO), सहायक लोक सूचना अधिकारी (APIO) एवं अन्य संबंधित अधिकारियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। प्रशिक्षण के दौरान सूचना का अधिकार अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों, अपील प्रक्रिया, राज्य एवं केंद्रीय सूचना आयोग की शक्तियों, महत्वपूर्ण न्यायालयीन निर्णयों, आरटीआई की ऑनलाइन प्रक्रिया तथा धारा-4 के अंतर्गत स्वप्रकाशन (Suo Moto Disclosure) जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के तहत सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधान एवं अपवाद, लोक सूचना अधिकारी एवं प्रथम अपीलीय प्राधिकारी की भूमिका, राज्य एवं केंद्रीय सूचना आयोग की शक्तियां एवं कार्य, महत्वपूर्ण न्यायालयीन निर्णय एवं केस स्टडी, आरटीआई ऑनलाइन प्रक्रिया, धारा-4 के अंतर्गत अभिलेख प्रबंधन एवं स्वप्रकाशन जैसे प्रमुख विषयों पर अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाऐगा। इस प्रशिक्षण के माध्यम से अधिकारियों को आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों की बेहतर समझ विकसित करने, पारदर्शिता एवं जवाबदेही को सुदृढ़ करने तथा नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने में सहायता मिलेगी। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित सभी विभागों से अपेक्षा की गई है कि वे अपने विभाग से नामांकित अधिकारी की निर्धारित तिथि एवं समय पर अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करें, जिससे प्रशिक्षण का उद्देश्य सफलतापूर्वक प्राप्त किया जा सके।

नागरिक सेवा का सक्षम मंच बनी जनसुनवाई, नागरिकों को मिल रहा समस्याओं का त्वरित समाधान

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सुनी 155 से अधिक आवेदकों की समस्या अधिकारियों को दिए जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में आयोजित जनसुनवाई नागरिकों की समस्याओं के समाधान का एक प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। मंगलवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जनसुनवाई में दूर-दराज से आए 155 से अधिक आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने कई मामलों का मौके पर ही समाधान कर नागरिकों को त्वरित राहत प्रदान की। इस दौरान सीमांकन, रास्ता विवाद, राशन वितरण सहित अन्य विभिन्न समस्याओं पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान करना है, जिससे नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस अवसर पर एडीएम अनिल जैन, अपर कलेक्टर बृजेंद्र रावत, संयुक्त कलेक्टर एवं सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती सरोज परिहार, श्रीमती नीता कोरी तथा एसडीएम नर्मदापुरम जय सोलंकी सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने भी आवेदकों की समस्याओं को सुना।जनसुनवाई के दौरान पिपरिया निवासी आवेदक प्रशांत कुमार ने आधार केंद्र संचालित करने के अपने आवेदन के निरस्त होने की समस्या रखी। उन्होंने बताया कि ई-गवर्नेंस सोसायटी को आवेदन प्रेषित न किए जाने के कारण उनका आवेदन निरस्त हो गया तथा बीआरसी स्तर पर कार्यवाही लंबित है। इस पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने डीपीसी राजेश जायसवाल को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। निर्देशों के पालन में डीपीसी द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आवेदक का आवेदन तत्काल जिला ई-गवर्नेंस कार्यालय को प्रेषित किया गया। समस्या के मौके पर निराकरण होने पर आवेदक ने कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी प्रकार, ग्वालटोली नर्मदापुरम निवासी आवेदिका अजिता सिंह ठाकुर ने अपनी समस्या रखते हुए बताया कि पति की मृत्यु के पश्चात त्रुटिवश उनकी समग्र आईडी बंद कर दी गई, जिससे उनकी पात्रता पर्ची जनरेट नहीं हो पा रही थी। इस पर कलेक्टर ने जिला आपूर्ति अधिकारी को समस्या के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती नीता कोरी द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए राज्य स्तर से परामर्श प्राप्त किया गया तथा समग्र आईडी में आवश्यक सुधार करवाकर आवेदिका का नाम राशन पोर्टल पर दर्ज कराया गया। इस दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा के समक्ष डोलरिया निवासी किसान भानुप्रताप सिंह एवं लखन सिंह ने गेहूं उपार्जन के उपरांत भुगतान नहीं होने की समस्या प्रस्तुत की। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने तत्काल जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि संबंधित किसानों को उपार्जित स्कंध का भुगतान सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए। कलेक्टर के निर्देशों के पालन में आपूर्ति अधिकारी द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए किसानों के भुगतान के लिए ईपीओ (Electronic Payment Order) जनरेट किए गए। जनसुनवाई में नर्मदापुरम निवासी कृषक रामप्रकाश मेहरा ने अपनी समस्या प्रस्तुत करते हुए बताया कि सर्वर डाउन होने के कारण गेहूं तुलाई का बिल नहीं बन सका, जबकि उसी दिन विक्रय की अंतिम तिथि थी। इस कारण उनका भुगतान अटक गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने तत्काल जिला आपूर्ति अधिकारी को समस्या के समाधान हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर के निर्देशों के पालन में जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती नीता कोरी द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए किसान की विक्रय तिथि को आगे बढ़ाया गया, जिससे भुगतान प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। इसी प्रकार नर्मदापुरम स्थित शारदा कॉलोनी के निवासियों द्वारा कॉलोनी में पार्क की भूमि पर अवैध निर्माण किए जाने की समस्या भी कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत की गई। कलेक्टर द्वारा तहसीलदार नर्मदापुरम को निर्देशित किया गया की मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की जांच की जाए तथा उचित सीमांकन कर समस्या का शीघ्र निराकरण किया जाए।

जनगणना 2027: कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने किया मकान सूचीकरण कार्य का फील्ड निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सोमवार को जनगणना 2027 के तहत संचालित मकान सूचीकरण कार्य का फील्ड विजिट कर अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने नगरीय क्षेत्र मालाखेड़ी रोड पर चल रहे कार्य का निरीक्षण किया तथा मौके पर उपस्थित नागरिकों से चर्चा कर फीडबैक भी लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि जनगणना कार्य को पूरी सावधानी और एकाग्रता के साथ संपादित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि नागरिकों की जानकारी स्पष्ट एवं सही तरीके से एचएलओ एप पर दर्ज की जाए तथा आवश्यकतानुसार जानकारी को फीड करने से पूर्व क्रॉस चेक अवश्य किया जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने नागरिकों को जागरूक करते हुए बताया कि जनगणना प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की कागजी कार्यवाही नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दौरान पैन कार्ड, क्रेडिट कार्ड, आधार कार्ड जैसी कोई भी संवेदनशील जानकारी नहीं पूछी जाएगी और न ही किसी प्रकार का ओटीपी प्राप्त किया जाएगा। इस दौरान नागरिकों से किसी भी प्रकार के दस्तावेज भी नहीं मांगे जाएंगेउन्होंने बताया कि केवल स्वगणना कर चुके नागरिकों को अपना सेल्फ एन्यूमरेशन आईडी उपलब्ध कराना होगा। इसके अतिरिक्त प्रगणकों द्वारा पूछे जाने वाले 33 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस चरण में मकान की संरचना, परिवार के सदस्यों की संख्या तथा पेयजल, विद्युत, शौचालय, रसोई गैस, वाहन सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित जानकारी दर्ज की जाएगी।

असमय वर्षा एवं ओलावृष्टि से हुए नुकसान का सर्वे जारी, कलेक्टर के निर्देश पर टीमें मौके पर सक्रिय

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में गत दिवस हुई असमय वर्षा, ओलावृष्टि एवं आंधी-तूफान से हुए नुकसान का सर्वे कार्य तेजी से जारी है। प्रशासन द्वारा इस प्राकृतिक आपदा को गंभीरता से लेते हुए प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल टीमों को भेजकर वास्तविक स्थिति का आंकलन कराया जा रहा है। तहसील सोहागपुर अंतर्गत ग्राम माछा एवं अजेरा में एग्रीकल्चर, हॉर्टिकल्चर एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया। सर्वे के दौरान ग्राम माछा में कुल 12 मकान तथा ग्राम अजेरा में 1 मकान क्षतिग्रस्त पाया गया है। इसके साथ ही फसल क्षति का भी विस्तृत आकलन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जिले में शनिवार एवं रविवार को हुई असमय वर्षा एवं ओलावृष्टि के बाद कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी अनुविभागीय दंडाधिकारियों (एसडीएम) को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्रों में शीघ्र सर्वे कार्य प्रारंभ कर फसल एवं अन्य नुकसान का सटीक और विस्तृत आंकलन सुनिश्चित करें। प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रभावितों को नियमानुसार शीघ्र राहत उपलब्ध कराई जाए तथा वास्तविक नुकसान का सही आकलन कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

एसडीएम ने देर रात उपार्जन केंद्र पहुंचकर मुख्य मार्ग पर खड़े कृषि वाहनों को करवाया व्यवस्थित

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में एसडीएम सिवनी मालवा विजय राय द्वारा बीती रात क्षेत्र के विभिन्न उपार्जन केंद्रों/ वेयरहाउसों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशानुसार, केंद्रों के बाहर सड़क पर खड़े वाहनों की लंबी लाइनों को व्यवस्थित कर केंद्र परिसर के भीतर खड़ा करवाया गया। जिससे मुख्य मार्गों पर वाहन खड़े होने के कारण कोई अप्रिय घटना घटित ना हो। आपातकालीन स्थिति में यदि कोई वाहन सड़क किनारे खड़ा होता है, तो वह दूर से ही दिखाई दे सके, इसके लिए वाहनों पर रेडियम की पट्टियाँ लगाना अनिवार्य किया गया है। मौके पर उपस्थित एसडीएम ने स्वयं ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर रेडियम की पट्टियाँ चिपकाईं। साथ ही उन्होंने किसानों और चालकों को सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया। समिति प्रबंधकों और वेयरहाउस मालिकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी परिस्थिति में वाहन सड़क पर अस्त-व्यस्त न खड़े हों। इस हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उल?लेखनीय है कि रात के समय सड़कों के किनारे खड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली अंधेरे के कारण पीछे से आने वाले वाहनों को दिखाई नहीं देते, जिससे गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती है। उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए रेडियम की पट्टियाँ वाहनों पर चस्पा की गई ताकि वाहन दूर से ही चमके, एवं आने जाने वाले वाहन सावधानी के साथ निकल सकें और दुर्घटनाओं से बचा जा सकेगा।

समेरिटन्स स्कूल में हैंडबाल समर कैंप आरम्भ

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी खेल और युवा कल्याण विभाग और जिला हैंडबॉल संघ नर्मदापुरम द्वारा हैंडबॉल समर कैंप का आयोजन 1 मई से 31 मई तक समेरिटंस स्कूल खेल प्रांगण पर किया जा रहा है। इसमें लगभग 70 खिलाड़ी सुबह 6 से 8 बजे तक एवं शाम को 5.30 से 7 बजे तक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण शिविर कोच आस्कर एरिन मोजिस, डॉ सचिन खम्परिया, विनोद साहू के सहयोग से संचालित हो रहा है। कैंप में खेल के अलावा विभिन्न गतिविधियां जैसे महिलाओं के लिए आत्मारक्षा गुड टच बेड टच सामाजिक गतिविधि, फिट इंडिया मूवमेंट प्रतियोगिताओं आदि का समावेश किया गया है। जिला खेल अधिकारी सुश्री उमा पटेल, शाला के डायरेक्टर डॉक्टर आशुतोष शर्मा शाला प्राचार्य श्रीमती प्रेरणा रावत द्वारा कैंप का निरीक्षण किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णाकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com